

Weather Report  
अधिकतम तापमान: 32.0°C  
न्यूनतम तापमान: 21.0°C  
हवा गति: 11 कि./घं.  
जयपुर सूर्योदय समय  
सुबह: 6.06

# संजीवनी टुडे

समय के साथ बढ़ता अखबार

अब होगी सुविधाओं की बात  
संजीवनी टुडे के साथ  
जम्हायद, वैवाहिक वर्षगांठ एवं  
निवृत्ति बधाई संदेश  
मात्र 1100/- में  
साईज 8X9 cm  
संजीवनी टुडे  
संजीवनी टुडे का पता: 108, 109, 110, 111, 112, 113, 114, 115, 116, 117, 118, 119, 120, 121, 122, 123, 124, 125, 126, 127, 128, 129, 130, 131, 132, 133, 134, 135, 136, 137, 138, 139, 140, 141, 142, 143, 144, 145, 146, 147, 148, 149, 150, 151, 152, 153, 154, 155, 156, 157, 158, 159, 160, 161, 162, 163, 164, 165, 166, 167, 168, 169, 170, 171, 172, 173, 174, 175, 176, 177, 178, 179, 180, 181, 182, 183, 184, 185, 186, 187, 188, 189, 190, 191, 192, 193, 194, 195, 196, 197, 198, 199, 200, 201, 202, 203, 204, 205, 206, 207, 208, 209, 210, 211, 212, 213, 214, 215, 216, 217, 218, 219, 220, 221, 222, 223, 224, 225, 226, 227, 228, 229, 230, 231, 232, 233, 234, 235, 236, 237, 238, 239, 240, 241, 242, 243, 244, 245, 246, 247, 248, 249, 250, 251, 252, 253, 254, 255, 256, 257, 258, 259, 260, 261, 262, 263, 264, 265, 266, 267, 268, 269, 270, 271, 272, 273, 274, 275, 276, 277, 278, 279, 280, 281, 282, 283, 284, 285, 286, 287, 288, 289, 290, 291, 292, 293, 294, 295, 296, 297, 298, 299, 300, 301, 302, 303, 304, 305, 306, 307, 308, 309, 310, 311, 312, 313, 314, 315, 316, 317, 318, 319, 320, 321, 322, 323, 324, 325, 326, 327, 328, 329, 330, 331, 332, 333, 334, 335, 336, 337, 338, 339, 340, 341, 342, 343, 344, 345, 346, 347, 348, 349, 350, 351, 352, 353, 354, 355, 356, 357, 358, 359, 360, 361, 362, 363, 364, 365, 366, 367, 368, 369, 370, 371, 372, 373, 374, 375, 376, 377, 378, 379, 380, 381, 382, 383, 384, 385, 386, 387, 388, 389, 390, 391, 392, 393, 394, 395, 396, 397, 398, 399, 400, 401, 402, 403, 404, 405, 406, 407, 408, 409, 410, 411, 412, 413, 414, 415, 416, 417, 418, 419, 420, 421, 422, 423, 424, 425, 426, 427, 428, 429, 430, 431, 432, 433, 434, 435, 436, 437, 438, 439, 440, 441, 442, 443, 444, 445, 446, 447, 448, 449, 450, 451, 452, 453, 454, 455, 456, 457, 458, 459, 460, 461, 462, 463, 464, 465, 466, 467, 468, 469, 470, 471, 472, 473, 474, 475, 476, 477, 478, 479, 480, 481, 482, 483, 484, 485, 486, 487, 488, 489, 490, 491, 492, 493, 494, 495, 496, 497, 498, 499, 500, 501, 502, 503, 504, 505, 506, 507, 508, 509, 510, 511, 512, 513, 514, 515, 516, 517, 518, 519, 520, 521, 522, 523, 524, 525, 526, 527, 528, 529, 530, 531, 532, 533, 534, 535, 536, 537, 538, 539, 540, 541, 542, 543, 544, 545, 546, 547, 548, 549, 550, 551, 552, 553, 554, 555, 556, 557, 558, 559, 560, 561, 562, 563, 564, 565, 566, 567, 568, 569, 570, 571, 572, 573, 574, 575, 576, 577, 578, 579, 580, 581, 582, 583, 584, 585, 586, 587, 588, 589, 590, 591, 592, 593, 594, 595, 596, 597, 598, 599, 600, 601, 602, 603, 604, 605, 606, 607, 608, 609, 610, 611, 612, 613, 614, 615, 616, 617, 618, 619, 620, 621, 622, 623, 624, 625, 626, 627, 628, 629, 630, 631, 632, 633, 634, 635, 636, 637, 638, 639, 640, 641, 642, 643, 644, 645, 646, 647, 648, 649, 650, 651, 652, 653, 654, 655, 656, 657, 658, 659, 660, 661, 662, 663, 664, 665, 666, 667, 668, 669, 670, 671, 672, 673, 674, 675, 676, 677, 678, 679, 680, 681, 682, 683, 684, 685, 686, 687, 688, 689, 690, 691, 692, 693, 694, 695, 696, 697, 698, 699, 700, 701, 702, 703, 704, 705, 706, 707, 708, 709, 710, 711, 712, 713, 714, 715, 716, 717, 718, 719, 720, 721, 722, 723, 724, 725, 726, 727, 728, 729, 730, 731, 732, 733, 734, 735, 736, 737, 738, 739, 740, 741, 742, 743, 744, 745, 746, 747, 748, 749, 750, 751, 752, 753, 754, 755, 756, 757, 758, 759, 760, 761, 762, 763, 764, 765, 766, 767, 768, 769, 770, 771, 772, 773, 774, 775, 776, 777, 778, 779, 780, 781, 782, 783, 784, 785, 786, 787, 788, 789, 790, 791, 792, 793, 794, 795, 796, 797, 798, 799, 800, 801, 802, 803, 804, 805, 806, 807, 808, 809, 810, 811, 812, 813, 814, 815, 816, 817, 818, 819, 820, 821, 822, 823, 824, 825, 826, 827, 828, 829, 830, 831, 832, 833, 834, 835, 836, 837, 838, 839, 840, 841, 842, 843, 844, 845, 846, 847, 848, 849, 850, 851, 852, 853, 854, 855, 856, 857, 858, 859, 860, 861, 862, 863, 864, 865, 866, 867, 868, 869, 870, 871, 872, 873, 874, 875, 876, 877, 878, 879, 880, 881, 882, 883, 884, 885, 886, 887, 888, 889, 890, 891, 892, 893, 894, 895, 896, 897, 898, 899, 900, 901, 902, 903, 904, 905, 906, 907, 908, 909, 910, 911, 912, 913, 914, 915, 916, 917, 918, 919, 920, 921, 922, 923, 924, 925, 926, 927, 928, 929, 930, 931, 932, 933, 934, 935, 936, 937, 938, 939, 940, 941, 942, 943, 944, 945, 946, 947, 948, 949, 950, 951, 952, 953, 954, 955, 956, 957, 958, 959, 960, 961, 962, 963, 964, 965, 966, 967, 968, 969, 970, 971, 972, 973, 974, 975, 976, 977, 978, 979, 980, 981, 982, 983, 984, 985, 986, 987, 988, 989, 990, 991, 992, 993, 994, 995, 996, 997, 998, 999, 1000

राहुल गांधी बोले- 50% से ज्यादा का रिजर्वेशन देंगे: बिलासपुर में कहा

चार धाम यात्रा पहली बार श्रद्धालुओं की संख्या सीमित

## सरकार आते ही किसानों का कर्ज होगा माफ, एमएसपी का बनाएंगे कानून

## केदारनाथ में रोज 15 हजार, बद्रीनाथ में 16 हजार लोग ही दर्शन कर पाएंगे

संजीवनी टुडे

बिलासपुर। बिलासपुर लोकसभा में राहुल गांधी ने देवेंद्र यादव के पक्ष में प्रचार किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि, हम आरक्षण में लगे 50 प्रतिशत के कैंप को हटा देंगे। हम इससे ज्यादा का आरक्षण देंगे। उन्होंने किसानों से कहा कि, हमारी सरकार आते ही सभी का कर्ज माफ कर दिया जाएगा और एमएसपी का कानून भी कांग्रेस लेकर आएगी। राहुल गांधी की सभा से पहले कांग्रेस के झंडे-बैनर को नगर निगम के अतिक्रमण दस्ते ने निकालने की कार्रवाई की तो जमकर हंगामा हो गया। कांग्रेस प्रत्याशी देवेंद्र यादव एसडीएम और पुलिस अधिकारियों से कह रहे थे कि, आप एफआईआर कार दीजिए लेकिन इस कार्रवाई का विरोध हम करेंगे। वहीं राहुल की सभा में बस्तर से प्रत्याशी कवामी लखमा थिरकते नजर आए। कांग्रेस की ओर से राष्ट्रीय अध्यक्ष खड्गो भी 30 अप्रैल को प्रचार करने छत्तीसगढ़ पहुंचेंगे। उनकी सभा जांजगीर-चांपा लोकसभा में होगी। इसके अलावा 2 मई को प्रियंका गांधी भी कोरबा लोकसभा में प्रचार करने पहुंचेंगे। भूपेश बघेल ने सभा में पहुंचे कवामी लखमा थिरकते नजर आए। पूर्व मंत्री लखमा बस्तर सीट से कांग्रेस के प्रत्याशी हैं।



### कांग्रेस ऐप्रेटिसशिप का अधिकार देने जा रही- कांग्रेस

मोदीजी की सरकार ने युवाओं को बहुत तंग किया। नोटबंदी, जीएसटी, बेरोजगारी लोकर आई। इतनी बेरोजगारी कभी 45 साल में नहीं थी। कांग्रेस देश के करोड़ों बेरोजगारों, डिप्लोमा होल्डर्स को ऐप्रेटिसशिप का अधिकार देने जा रही है। कांग्रेस सरकार गारंटी देगी एक साल की नौकरी पक्की। बेहतर से बेहतर ट्रेनिंग मिलेगी और एक साल के बैंक अकाउंट में एक लाख रुपए मिलेंगे। 22 लोगों के पास उतना ही धन है, जितना हिंदुस्तान के 70 करोड़ लोगों के पास है। एक प्रतिशत देश के 40 प्रतिशत को कंट्रोल करता है। ये रेलवे और सभी पब्लिक सेक्टर की कंपनियों का निजीकरण करने में लगे हुए हैं। बीजेपी के लोगों ने 20-25 लोगों को करोड़पति बनाया, हम करोड़ों लोगों को लखपति बनाते जा रहे हैं। कांग्रेस महालक्ष्मी योजना लेकर आएगी। हर परिवार से एक महिला का नाम चुना जाएगा। जो भी गरीबीरेखा से नीचे हैं, उस महिला के बैंक अकाउंट में साल के एक लाख रुपए कांग्रेस डालने जा रही है। एक ओर वे खत्म करने में लगे हैं, दूसरी ओर कांग्रेस उसे बचाने में लगी है। ये जो संविधान है, ये सिर्फ एक किताब नहीं है। ये इस देश में गरीबों को अधिकार देता है, उनकी रक्षा करता है, उनके भविष्य की देखभाल करता है। देश में उनकी आवाज और उनके जीने के तरीके की रक्षा करता है।

### पब्लिक सेक्टर यूनिट को बीजेपी प्राइवेट कर रही- राहुल

भाजपा के लोग आपको वनवासी कहते हैं। ये कहते हैं कि आपके जल, जंगल, जमीन चले जाएं और आप दूसरी जगहों पर जाकर भीख मांगें। दलितों को संविधान ने अधिकार दिया। इसके बिना कुछ नहीं बचने वाला है। आरक्षण से देश के दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों को भागीदारी मिलनी चाहिए। ये कहते हैं कि ये आरक्षण के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन ये पब्लिक सेक्टर यूनिट को प्राइवेट करते हैं तो आरक्षण को खत्म करते हैं। जब टेकेदारी प्रथा को बढ़ाते हैं तो आरक्षण खत्म करते हैं। जब ये अग्निवीर योजना लाते हैं तो आरक्षण खत्म करते हैं।

### बीजेपी चाहती है सिर्फ 20-25 लोग राज करें- राहुल

राहुल ने कहा कि, बीजेपी चाहती है कि इसे फाइवर फेंक दिया जाए। देश में राज 20-25 लोग करें और बाकी जनता देखती रहे। बीजेपी के एक नेता ने कहा है कि देश में अब हमारी सरकार बनेगी तो संविधान खत्म कर देंगे। दूसरे नेता कहते हैं कि आरक्षण खत्म कर देंगे। अगर संविधान चला जाएगा तो आदिवासियों भाइयों से कहना चाहता हूँ कि आपके जीने का तरीका, आपके अधिकार गायब हो जाएंगे। हिंदुस्तान में करोड़ों लोग हैं, उन्हें मालूम है कि यह संविधान का चुनाव है, संविधान बचाने का चुनाव है। ये जो संविधान है, इसे प्रधानमंत्री मोदी जी, आरएसएस और बीजेपी के लोग खत्म करना चाहते हैं।

संजीवनी टुडे

देहरादून। उत्तराखंड में चार धाम यात्रा 10 मई से शुरू हो रही है। इसके लिए अब तक 19 लाख से ज्यादा श्रद्धालु रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं। पिछले साल रिकॉर्ड 55 लाख लोग पहुंचे थे, इसलिए कई बार व्यवस्थाएं गड़बड़ा गई थीं। इसी से सबक लेते हुए उत्तराखंड पुलिस और पर्यटन विभाग ने पहली बार चार धाम यात्रा में श्रद्धालुओं की प्रतिदिन की संख्या सीमित कर दी है। पर्यटन सचिव सचिन कुर्वे के मुताबिक एक दिन में 15 हजार श्रद्धालु केदारनाथ धाम, 16 हजार लोग बद्रीनाथ धाम, 9 हजार श्रद्धालु यमुनोत्री तो 11 हजार लोग गंगोत्री में दर्शन कर सकेंगे। ऋषिकेश के बाद यात्रियों को रोकने के लिए बैरियर करने तय किए हैं। अगर कोई बद्रीनाथ जाना चाहता है तो उन्हें सबसे पहले श्रीनगर में रोका जाएगा। अगर दिन के 15 हजार की संख्या पूरी हो गई है तो श्रद्धालु को यहीं रात बितानी होगी। अगले दिन रुद्रप्रयाग, फिर चमोली, पीपलकोट और श्रीनगर में यही प्रक्रिया रहेगी यानी जब नंबर आएगा, तभी आगे बढ़ सकेंगे। केदारनाथ धाम के श्रद्धालु भी श्रीनगर, रुद्रप्रयाग, उखीमठ, गौरीकुंड में रोककर ही आगे बढ़ाए जाएंगे। गंगोत्री-यमुनोत्री जाने वाले श्रद्धालुओं को पुजारी हरीश कुटियाल ने बताया कि 10 मई को आदि कैलाश मंदिर के कपाट खुल जाएंगे। इन



कस्बों में एक बार में 20 से 30 हजार लोग रुक सकेंगे। यहां होटल, होम स्टे की सुविधाएं हैं। हालांकि चार धाम होटल एसोसिएशन इस फैसले के विरोध में उतर आया है। एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय पुरी का कहना है कि इससे व्यापार कम होगा। उत्तरकाशी होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष शैलेन्द्र मट्टड़ा के मुताबिक राज्य की अर्थव्यवस्था पर्यटन व तीर्थयात्रा पर टिकी हुई है। छह माह के सीजन में भी यदि संख्या सीमित कर दी जाएगी तो कारोबार प्रभावित होगा। सरकार ने फैसला वापस नहीं लिया तो होटल और होम स्टे बंद कर दिए जाएंगे। उत्तराखंड में सड़क मार्ग से आदि कैलाश व ओम पर्वत की यात्रा भी पहली बार करीब डेढ़ महीने पहले शुरू की जाएगी। आदि कैलाश मंदिर के पुजारी हरीश कुटियाल ने बताया कि 10 मई को आदि कैलाश मंदिर के कपाट खुल जाएंगे।

### मोदी पर 6 साल चुनावी बैन वाली याचिका खारिज: हाईकोर्ट बोला

## पिटीशन कई कारणों से गलत, हम चुनाव आयोग को निर्देश नहीं दे सकते

संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर 6 साल के लिए चुनावी बैन की मांग वाली याचिका खारिज कर दी है। याचिकाकर्ता एडवोकेट आनंद एस जोधले का आरोप था कि पीएम मोदी ने आचार संहिता का उल्लंघन किया। चुनाव आयोग की तरफ से एडवोकेट सिद्धांत कुमार ने पेश की। कोर्ट ने कहा कि याचिका कई कारणों से पूरी तरह से गलत है। याचिकाकर्ता का मानना है कि आचार संहिता का उल्लंघन हुआ, लेकिन हमारे लिए चुनाव आयोग को किसी शिकायत पर कोई विशेष नजरिया अपनाने का निर्देश देना सही नहीं है। चुनाव आयोग जोधले की शिकायत पर कानून के मुताबिक एक्शन लेगा। हम ये याचिका खारिज करते हैं। जोधले ने 15 अप्रैल को अपनी याचिका में कहा था कि चूंकि मोदी भगवान और मंदिरों के नाम पर लोगों से वोट मांग रहे हैं। उन्होंने कहा- चूंकि वे 9 अप्रैल को ठाकुर के पीलीभीत में अपने भाषण के दौरान हिंदू देवी-देवताओं, सिख देवताओं और उनके पूजा स्थलों के नाम पर वोट मांगे। इसी स्पीच को एडवोकेट जोधले ने याचिका का आधार बनाया। उन्होंने बताया कि वे मोदी की शिकायत लेकर चुनाव आयोग के पास भी गए थे और आईपीसी की धारा 153 ए (समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना) के तहत कार्रवाई की



मांग भी की थी। हालांकि आयोग ने कोई एक्शन नहीं लिया। पीएम मोदी ने कहा- 500 साल के इंतजार के बाद अयोध्या में भव्य राम मंदिर बना। इन इंडी गठबंधन वालों को राम मंदिर के निर्माण से पहले भी नफरत थी और आज भी नफरत है। इन्होंने लाख कोशिश की, जिससे मंदिर ना बने। मंदिर वालों ने उनके सारे गुनाह माफ कर के उन्हें प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम में निमंत्रित किया, लेकिन उन्होंने प्राण-प्रतिष्ठा के समाजवादी पार्टी आज जिस कांग्रेस के साथ खड़ी है, उस कांग्रेस ने 1984 में हमारे सिख भाई-बहनों के साथ क्या किया था, वो कोई भूल नहीं सकता। ये भाजपा है, जो सिखों के साथ पूरी शक्ति से खड़ी है। हमें गर्व होता है जब दुश्मनी को बढ़ावा देना।

### पीएम की कुछ टिप्पणियां नफरत पैदा करती हैं: याचिकाकर्ता

जोधले के मुताबिक, मोदी ने कहा कि उन्होंने राम मंदिर का निर्माण करवाया। कर्तारपुर साहिब कॉरिडोर का विकास करवाया। पीएम ने कहा कि उन्होंने गुरुद्वारों में परोसे जाने वाले लंगर में इस्तेमाल होने वाले सामान से जीएसटी हटाया। साथ ही अफगानिस्तान से गुरु ग्रंथ साहिब की प्रतियां वापस मंगवाईं। याचिकाकर्ता जोधले ने कहा कि आचार संहिता के तहत कोई भी पार्टी या उम्मीदवार किसी भी ऐसी गतिविधि में शामिल नहीं हो सकता, जो दो जातियों या समुदायों के बीच तनाव पैदा कर सकती है।

### क्या इस्लाम न मानने वालों पर शरिया कानून लागू होगा ?

## मुस्लिम महिला बोली- धर्मनिरपेक्ष कानून मानना चाहती हूं; सुप्रीम कोर्ट में जुलाई में सुनवाई

संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को इस याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति जताई है, जिसमें कहा गया था कि अगर कोई व्यक्ति मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत नहीं आना चाहता, तो क्या उसे देश के धर्मनिरपेक्ष कानून के तहत रखा जा सकता है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और मनोज मिश्रा की बेंच ने इस याचिका पर चर्चा करने के बाद केंद्र और केरल सरकार को नोटिस जारी किया है। बेंच ने अर्दानी जनरल ऑफ इंडिया आर वेंकटरमणी से कहा है कि एक लॉ ऑफिसर को अपॉइंट करें। बेंच इस मामले की सुनवाई जुलाई के दूसरे हफ्ते में करेगी। ये याचिका केरल की रहने वाली सफिया पीएम ने दाखिल की है। उसका कहना है कि वह अपने धर्म में यकीन नहीं करती है और इसलिए वह उत्तराधिकार के मामले में मुस्लिम पर्सनल लॉ (शरिया लॉ) की बजाय भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम, 1925 को मानना चाहती है। महिला ने कहा कि उसके पिता भी मुस्लिम धर्म को नहीं मानते हैं, लेकिन आधिकारिक तौर पर मुस्लिम धर्म से अलग नहीं हुए हैं।

### महिला बोली- धर्म छोड़ा तो पिता की संपत्ति से बेदखल कर दी जाऊंगी

महिला ने कहा कि शरिया कानून के तहत अगर कोई शास्त्र मुस्लिम धर्म पर यकीन करना छोड़ देता है, तो उसे समाज से बाहर कर दिया जाता है। ऐसे में अगर उसने ऐसा किया तो उसका अपने पिता की संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं रह जाएगा। याचिका में कहा गया है कि शरिया के मुताबिक, कोई मुस्लिम व्यक्ति अपनी संपत्ति में से एक-तिहाई से ज्यादा हिस्सा वसीयत में नहीं दे सकता है। याचिकाकर्ता ने कहा कि उसके पिता उसे 2 से ज्यादा संपत्ति नहीं दे सकते हैं। बाकी 2 संपत्ति उसके भाई को मिलेगी, जिसे डाउनसिड्रोम नाम की बीमारी है। महिला ने ये भी कहा कि उसकी एक बेटि है और महिला की मौत के केस में सारी संपत्ति उसकी बेटि को नहीं मिलेगी क्योंकि उसके पिता के भाई यानी महिला के चाचा भी इस संपत्ति में अपना हक मांगेंगे। महिला ने याचिका में कहा- शरिया कानून की प्रथाओं से महिलाओं के अधिकारों का हनन होता है महिला ने याचिका में कहा कि उत्तराधिकार का हक देने वाले कानून के न होने से, धर्म छोड़ देने वाले नागरिक बेहद खतरनाक स्थिति में आ जाएंगे। ऐसे हालात में न तो देश का धर्मनिरपेक्ष कानून और न ही धार्मिक कानून उसकी रक्षा कर पाएंगे। शरिया कानून के मुताबिक, जिसने इस्लाम छोड़ दिया वह अपनी पैतृक संपत्ति पर भी अपना अधिकार खो देगा। इसलिए याचिकाकर्ता की अपील है कि उसे भारतीय उत्तराधिकार कानून, 1925 के प्रावधानों के तहत गर्व न किया जाए। याचिकाकर्ता ने यह भी कहा कि वह मानती है कि शरिया कानून की प्रथाएं महिलाओं के प्रति बेहद भेदभाव करती हैं। इससे संविधान में दिए गए मौलिक अधिकारों का हनन होता है।



### पतंजलि क्षामक विज्ञापन केस की सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

## रामदेव पर अवमानना का आरोप लगेगा या नहीं, ये तय करेगा कोर्ट

संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। पतंजलि विज्ञापन केस में आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होगी है। आज कोर्ट यह तय करेगा कि बाबा रामदेव और बालकृष्ण के खिलाफ अवमानना का आरोप लगाया जाएगा या नहीं। मामले में पिछली सुनवाई 23 अप्रैल को हुई थी। इस सुनवाई में पतंजलि की ओर से एडवोकेट मुकुल रोहतगी ने जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की बेंच से कहा था- हमने माफीनामा फाइल कर दिया है। इसे 67 अखबारों में पब्लिश किया गया है। इस पर जस्टिस हिमा कोहली ने कहा कि आपके विज्ञापन जैसे रहते थे, इस एड का भी साइज वही था? कृपया इन विज्ञापनों की कटिंग ले लें और हमें भेज दें। इन्हें बड़ा करने की जरूरत नहीं है। हम इसका वास्तविक साइज देखा चाहते हैं। ये हमारा निर्देश है। जस्टिस कोहली ने कहा कि जब आप कोई विज्ञापन प्रकाशित करते हैं तो इसका मतलब यह नहीं कि हम उसे माइक्रोकोप से देखेंगे। सिर्फ पन्ने पर न हो, पढ़ा भी जाना चाहिए। कोर्ट ने रामदेव और बालकृष्ण को निर्देश दिया कि अगले दो दिन में वे ऑन रिकॉर्ड माफीनामा जारी करें, जिसमें लिखा हो कि उन्होंने गलती की।



### 24 अप्रैल को बाबा रामदेव ने एक और माफीनामा छपवाया

इसके बाद पतंजलि, बाबा रामदेव और बालकृष्ण ने 24 अप्रैल को अखबारों में एक और माफीनामा छपवाया था। इसमें बिना शर्त कोर्ट से माफी मांगी गई है। पतंजलि पर अखबारों में विज्ञापन देकर एलोपैथी के खिलाफ निगेटिव प्रचार करने का आरोप है। मामले पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है। पतंजलि ने इस माफीनामे में लिखा- हमसे विज्ञापनों को प्रकाशित करने में हुई गलती के लिए ईमानदारी से बिना शर्त माफी मांगते हैं। ऐसी गलती दोबारा नहीं होगी। हम सावधानी के साथ सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन करने का वचन देते हैं।

### पतंजलि आयुर्वेद के 14 प्रोडक्ट्स बनाने का लाइसेंस रद्द

वहीं, उत्तराखंड सरकार ने बाबा रामदेव की पतंजलि आयुर्वेद और दिव्य फार्मसी के लगभग 14 प्रोडक्ट्स के मैनुफैक्चरिंग लाइसेंस को रसपेंड कर दिया है। यह जानकारी उत्तराखंड सरकार की ओर से सुप्रीम कोर्ट में सोमवार शाम हलफनामा दायर कर दी गई। उत्तराखंड सरकार की लाइसेंस ऑथोरिटी ने सोमवार को प्रोडक्ट्स पर आदेश बैन का आदेश भी जारी किया। इसमें कहा- पतंजलि आयुर्वेद के प्रोडक्ट्स के बारे में बार-बार श्वाभक विज्ञापन प्रकाशित करने के कारण कंपनी के लाइसेंस को रोक दिया गया है।

## बाइमेर से निर्दलीय प्रत्याशी रविंद्र भाटी के खिलाफ मामला दर्ज

संजीवनी टुडे

बालोतरा (बाइमेर)। बाइमेर लोकसभा सीट से निर्दलीय उम्मीदवार और शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी के खिलाफ बालोतरा के पंचपदरा थाने में मामला दर्ज हुआ है। सोमवार देर शाम पंचपदरा सीआई अमरामर खोखर ने भाटी और 32 नामजद लोगों के खिलाफ धारा-144 का उल्लंघन, राजकार्य में बाधा और हाईवे जाम करने का प्रकरण दर्ज कराया है। मामले की जांच सीआईडी-सीबी करेगी। 27 अप्रैल को भाटी ने समर्थकों के साथ बालोतरा में एसपी ऑफिस के बाहर 4 घंटे धरना दिया था। दरअसल, भाटी ने 26 अप्रैल को राजस्थान में हुए लोकसभा के दूसरे चरण के मतदान में समर्थकों से मारपीट का आरोप लगाया था। उनका कहना था कि बायतु में कई घटनाएं हुई थीं, उनके समर्थकों को पीटा। कई अप्रवासी भारतीयों को वोट देने से रोका गया था। मामले में कार्रवाई को लेकर भाटी ने 27 अप्रैल को बालोतरा एसपी ऑफिस के बाहर धरना दिया था। इस दौरान भाटी ने कहा कि शुक्रवार को षडयंत्र हुआ था। 100 बूथों पर फर्जी वोटिंग हुई और प्रशासन की मिलीभगत रही। इस दौरान मतदान को प्रभावित किया गया। थानाधिकारी अमरामर खोखर ने बताया कि 27 अप्रैल को हुई घटना को लेकर पंचपदरा थाने में मामला दर्ज किया है। जांच सीआईडी और सीबी को दी गई है। थाने में रविंद्र सिंह भाटी, हिन्दू सिंह, सौरभ सिंह, घनश्याम सिंह, नरपत सिंह, रहिशादान, राजेंद्र जैन, राणीपान, अमरसिंह, पीरसिंह, कपिल खटीक, प्रकाश दान, महेश प्रजापत, माधु सिंह, सवाई सिंह, रामसिंह, मिलन सिंह खारवाल, मगन सिंह, बन्दी राजपूत, विक्रम सिंह, जसु, राजू खारवाल, नेमीचंद, लक्ष्मण सिंह, त्रिलोक सैन, नितेश, दौलत सिंह, चिट्टू गुगल सिंह, जेपी, राहुल सहित कई लोगों पर मामला दर्ज हुआ है।



## बीरेंद्र सिंह बोले-टिकट कटने पर कई नेताओं के फोन आए

संजीवनी टुडे

चंडीगढ़। हरियाणा कांग्रेस से पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह की टिकट कटने को लेकर पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी बीरेंद्र सिंह ने बड़े खुलासे किए हैं। उन्होंने कहा, ईमानदारी से कहता हूँ जिस दिन बृजेंद्र को टिकट नहीं मिली तब मेरे पास बड़े से बड़े भाजपा नेताओं के (नाम नहीं लेता) फोन आए। मुझे कहा कि मैंने माड़ी (बुरी) बात हुई है। मैंने कहा कि करना के है, माड़ी हुई हो या अच्छी हुई हो, मेरे साथ इससे भी माड़ी-माड़ी बात हुई है। मेरा जब मुख्यमंत्री बनने का नंबर आया तो मेरे वाले ही कहते हैं कि इसको हराएंगे, हराएंगे। मेरे नेता राजीव गांधी नहीं रहे। बीरेंद्र ने कहा, 'मैं यह बात इसलिए कह रहा हूँ कि टिकट कटने की ये छोटी घटना है। बृजेंद्र सिंह की टिकट कटने से बड़ी घटनाएं मेरे जीवन में हो

## खबरें फटाफट

## पक्षियों के लिए दाना पानी के लिए परिंडे लगाए



## संजीवनी टुडे

रेनवाल मांजी। भीषण गर्मी में आसमान से आग बरस रही है। गर्मी में मानव ही या फिर पशु-पक्षी सभी को ठंडे जल की तलाश रहती है। लोगों के लिए तो जगह-जगह प्याऊ व नल के साथ ही पानी की उचित व्यवस्था मिल ही जाती है, लेकिन पक्षियों को पानी के लिए कड़ा संघर्ष करना पड़ता है। इसी को ध्यान में रखते हुए समाज सेवी शिवपाल खंडेलवाल ने कौशलया दान की बावड़ी गांव में पक्षियों के लिए दाना पानी के लिए परिंडे लगाए और नियमित दाना पानी डालने का संकल्प लिया। और ग्रामीणों से अपील की कि पक्षियों के लिए दाना व पानी की उचित व्यवस्था कर जिम्मेदारी का निर्वाहन करना चाहिए। ताकि खुले आसमान और धूप में विचरण करने वाले पक्षियों को राहत मिल सके। इस दौरान समाज सेवी शिवपाल खंडेलवाल, आमप्रकाश खंडेलवाल, कंचन, कांता देवी, पूजा व सुनिता देवी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

## चाकसू ब्लॉक चिकित्सा विभाग मासिक समीक्षात्मक बैठक का आयोजन



## संजीवनी टुडे

चाकसू। कस्बे के उपजिला अस्पताल में खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारी चाकसू कार्यालय सभागार में चिकित्सा विभाग के समस्त राष्ट्रीय कार्यक्रमों की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई और बैठक में उपमुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (स्वास्थ्य) जयपुर द्वितीय डॉ. सुरेंद्र गोयल द्वारा गर्मी के मौसम में होने वाली बीमारियों तथा लू-तापघात से बचाव के संबंध में समस्त चिकित्सा अधिकारी प्रभारियों, प्रसाविकाओं, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किये गए और बैठक में अन्य राष्ट्रीय कार्यक्रमों जैसे नियमित टीकाकरण, परिवार कल्याण, महिला एवं शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रमों के बारे में विस्तृत चर्चा की गयी तथा लक्ष्य की उपलब्धि अर्जित करने हेतु निर्देशित किया गया। बैठक में खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारी चाकसू डॉ. सौम्य पंडित, जिला कार्यक्रम समन्वयक डॉ. कामेश्वर सिंह, ब्लॉक कार्यक्रम प्रबंधक कन्हैया लाल यादव, ब्लॉक आशा सुपरवाइजर रामप्रसाद शर्मा आदि मौजूद रहे हैं।

## लोटस किड्स स्कूल के छात्रों ने मनाया प्रकृति दिवस



## संजीवनी टुडे

जयपुर। छात्रों ने प्रकृति को सुदरता और उसकी रक्षा की जिम्मेदारी को समझते हुए "प्रकृति दिवस" मनाया। संस्था प्रधान अनुज अन्त ने बताया कि इस अवसर पर बच्चों ने पौधों, पेड़ों और पर्यावरण के महत्व के बारे में सीखा और एक विशेष पौधारोपण गतिविधि में भाग लिया। उन सभी ने पौधे लगाए और धरती के प्रति प्रेम दिखाने का अद्भुत काम किया। बच्चों को सिखाया कि हर छोटा कदम मायने रखता है और साथ मिलकर काम करके हम बड़ा बदलाव ला सकते हैं। अपने पौधों का पोषण करते रहें और उन्हें बढ़ते हुए देखें, बिल्कुल प्रकृति के प्रति अपने प्रेम की तरह।

## वैशाली एस्टेट रेजिडेंट्स वेलफेयर सोसायटी के चुनाव सम्पन्न



## संजीवनी टुडे

जयपुर। मंगलम आधार वैशाली एस्टेट रेजिडेंट्स वेलफेयर सोसायटी, गांधी पथ पश्चिम वैशाली नगर जयपुर सोसायटी में वेलफेयर सोसायटी के चुनाव सम्पन्न हुए। मैनेजर अमित शर्मा एवं हर्षवीर चौधरी ने बताया कि परिणाम स्वल्प अर्धश्रीनिवास दुबे, उपाध्यक्ष प्रशांत सारस्वत, सचिव अजय कुमार, कोषाध्यक्ष राजेंद्र गोयल, ललित गुप्ता, मोहन लाल शर्मा और महिपाल दादा - कार्यकारी सदस्य 7 सदस्यों में से 6 पदाधिकारी निर्वाचित हुए और उपाध्यक्ष के लिए वोटिंग हुई जिसमें प्रशांत सारस्वत बहुमत से विजयी हुए। सोसायटी के सभी लोगों द्वारा नवनियुक्त टीम का माला पहना कर स्वागत किया गया।

## राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप जागरूकता वर्कशॉप और पुरस्कार कार्यक्रम का हुआ आयोजन

## संजीवनी टुडे

जयपुर। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अधीन शिक्षा प्रशिक्षण बोर्ड-उत्तरी क्षेत्र व यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट जयपुर के संयुक्त तत्वाधान में आज दिनांक 29 अप्रैल 2024 को जयपुर स्थित राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में राष्ट्रीय शिक्षा जागरूकता कार्यक्रम पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विधिवत शुभारम्भ डॉ के एल जैन - अध्यक्ष राजस्थान चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, एन के जैन-अध्यक्ष राजस्थान नियोक्ता एसोसिएशन, एस के मेहता -निदेशक राष्ट्रीय शिक्षा प्रशिक्षण बोर्ड भारत सरकार, प्रो डॉ विवेकजीय चटर्जी वाईएस चॉसलर यू ईएम, जयपुर, मानस खवास- सहायक निदेशक राष्ट्रीय शिक्षा प्रशिक्षण बोर्ड भारत सरकार, डॉ प्रदीप शर्मा -रजिस्ट्रार आदि ने मौ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप



प्रज्वलन कर किया। कार्यक्रम में निदेशक एस के मेहता ने बताया कि राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप जागरूकता वर्कशॉप और पुरस्कार कार्यक्रम का आयोजन करने का मुख्य उद्देश्य कौशल विकास और श्रम प्रवृद्धि में अप्रेंटिसशिप के महत्व को प्रोत्साहित करने और पहचान करने के लिए एक शानदार पहल है। वर्कशॉप में

पुलिंग में अप्रेंटिसशिप की भूमिका-उद्योगपति, शिक्षक, और नीति निर्माताओं को आमंत्रित करना ताकि अप्रेंटिसशिप को वर्तमान स्थिति, चुनौतियों, और सुधार के अवसरों पर चर्चा करना आदि। यूनिवर्सिटी वाईएस चॉसलर प्रो चटर्जी ने बताया कि वर्कशॉप और प्रशिक्षण सत्र जैसे प्रभावी अप्रेंटिसशिप कार्यक्रम कैसे विकसित करें, अप्रेंटिस भर्ती और रिटेंशन के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं का पालन कैसे करें, अप्रेंटिसशिप प्रशिक्षण में प्रौद्योगिकी का उपयोग कैसे करें, अप्रेंटिसशिप कार्यक्रम में विविधता और समावेश का सम्मान कैसे करें आदि के बारे में जानकारी उपलब्ध करवाई। कार्यक्रम के उपरांत पुरस्कार समारोह आयोजित किया गया जिसमें उन संगठनों, नियोक्ताओं, शिक्षकों, और अप्रेंटिसेज से जुड़े हुए अनेको लोगो को सह सम्मान पुरस्कृत किया गया, जिन्होंने अप्रेंटिसशिप के क्षेत्र में महत्वपूर्ण

योगदान किया है। कार्यक्रम की श्रेणियों में "सर्वश्रेष्ठ अप्रेंटिसशिप कार्यक्रम," "वर्ष का श्रेष्ठ अप्रेंटिस," "मैटर्सशिप में उत्कृष्टता," आदि शामिल को शामिल किया गया। कार्यक्रम के समापन में प्रो मानस खवास सहायक निदेशक ने आगे की सहयोग और साधनों के लिए प्रोत्साहित करने पर जोर दिया और बताया कि कि वे अप्रेंटिसशिप कार्यक्रम को अपने संगठनों में कार्यान्वित कर सकें। और बताया कि व्यावसायिक शिक्षा में अप्रेंटिसशिप के महत्व को प्रोत्साहित करने और व्यक्तियों को कौशल विकास के माध्यम से एक अच्छे करियर की ओर प्रेरित करने के लिए राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप जागरूकता वर्कशॉप और पुरस्कार कार्यक्रम महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम में यूनिवर्सिटी के प्लेसमेंट विभाग की ओर से शंकर सिंह, सचिन पांडेय, अनुज सेठी आदि उपस्थित रहे।

## नंदी को राष्ट्रीय जन सेवा टीम की सहायता से गौशाला पहुंचाया

## संजीवनी टुडे

रैणी। 10 फीट गहरे गड्ढे में गिरे नंदी को बाहर निकाल कर इलाज के लिए भौरंगी गौशाला में पहुंचाया। लकीरकांत शर्मा व सूरज मल यादव ने बताया कि सोमवार को डोरोली पंचायत के नांगल बोहरा रामबास में एक नंदी 10 फीट गहरे खड्डे में गिरेने से घायल हो गया जिसकी सूचना गो सेवक नेमी नीमला व जुगनू तंबोली को मिली सूचना मिलते ही राष्ट्रीय जन सेवा टीम साथियों के साथ पहुंच कर ग्रामीणों की व ट्रैक्टर की मदद से भौरंगी गौशाला में ले जाकर इलाज करवाया जिसमें मौजूदा लोग गौसेवक नेमी नीमला, जुगनू तम्बोली, लक्ष्मी कांत शर्मा, बबली यादव, राजेश, मुकेश, रामेश, बाबूलाल, कमलेश, यादव, आदि लोग मौजूद रहे।

## संजीवनी टुडे

जयपुर। शक्ति फिल्म प्रोडक्शन द्वारा समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट एवं उल्लेखनीय कार्य करने वाली प्रतिभाओं को "स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुरस्कार 2024" से वरुचु अर्जित ऑनलाइन आयोजित समारोह के तहत सम्मानित किया गया। इस क्रम में राजस्थानी व हिंदी भाषा की साहित्यकार डॉ.कंता मीणा को भी शिक्षा व साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। डॉ.मीणा की दो पुरस्कार के साहित्य संग्रह कैलाशी व कहानी संग्रह तरशिखा व अनेक शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं। व लगातार लेखन कार्य जारी है। इस सम्मान समारोह के लिए देशभर से सैकड़ों की तादाद में प्रविष्टियों ऑनलाइन प्राप्त हुईं, जूरीज द्वारा उत्कृष्ट एवं बेहतरीन कार्य के आधार पर प्राप्त प्रविष्टियों में से 51 प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। ये जानकारी शक्ति फिल्म प्रोडक्शन फाउंडर अंबालिका शास्त्री ने दी। डॉ.मीणा शिक्षा व साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिए यूथ आइकॉन अवार्ड, समाज गौरव सम्मान, कोरोना योद्धा सम्मान, मानव सेवा योद्धा सम्मान, नगर निगम बीकानेर, स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय सम्मान, महिला शक्ति काव्य रत्न सम्मान, अखिल आदिवासी मीणा महासभा सहित अनेक संस्थाओं से सम्मानित हो चुकी है।

## सीएलजी बैठक में लोकसभा चुनावों के बाद ग्रामीणों से शांति संदेश पर हुई चर्चा

## संजीवनी टुडे

धनाऊ। थानाधिकारी दीपसिंह भाटी के नेतृत्व में आज सीएलजी सदस्य की बैठक आयोजित हुई बैठक में सभी से कहा कि लोकसभा चुनावों हों हैं जिसमें सीएलजी मिडिया पर किसी भी प्रकार की अफवाह नहीं फैलाने, दुषित मानसिकता और असामाजिक तत्वों को चिह्नित कर पुलिस और प्रशासन को सूचित करने का आग्रह किया और किसी भी प्रकार के आयोजन की ग्रह विभाग के निर्देशों के अनुरूप अनुमति लेकर करने को कहा गया। थाना क्षेत्र में सद्भाव और भाईचारे की अपील की गई थानाधिकारी ने बताया कि सीएलजी मिडिया पर जो भी फ्रेंक न्यूज आती है उसको नजर अंदाज करते हुए आगे फॉरवर्ड नहीं करें, जिससे अशुभ घटना को रोका जा सके। किसी भी नागरिक को किसी भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है तो तुरंत पुलिस प्रशासन को



अवगत करवाएँ। सीएलजी बैठक में सीएलजी सदस्यों को संबोधित करते हुए ने बताया कि आमजित अरवज पुलिस तक पहुंचाने में कड़ी सीएलजी सदस्यों की होती है। सीएलजी सदस्यों द्वारा कि आसपास घटित होने वाली गतिविधियों की जानकारी पुलिस तक पहुंचाकर अशुभ घटनाओं को रोके। बैठक में सेंडवा प्रधान रमेश भील, कालुखान दल, रामप्रताप, किरताराम भील, कायस्थान, आशुसिंह गंगासर, करनाराम चिन्मोई सहित सीएलजी सदस्य और पुलिस स्टाफ मौजूद रहे।

## हर घर लगेगा एक परिण्डा, एक पौधा: बोहरा सांसियों का तला में घर-घर बांटे परिण्डा, परिण्डा अभियान में विद्यालय में लगाए मिट्टी के परिण्डे

## संजीवनी टुडे

बाड़मेर। थार के इस रेगिस्तान में दिनों तापमान बढ़ता जा रहा है। भीष्ण गर्मी के इस दौर में जीव-जन्तुओं व पक्षियों के प्रति मैत्री, करुणा व दयाभाव को लेकर जैन युवा संगठन, बाड़मेर की ओर से गली-गली, घर-घर परिण्डे लगाने का कार्य किया जा रहा है। जिस कड़ी में सोमवार को सांसियों का तला राजस्व गांव में श्रद्धेय श्री बाबुलालजी लूणिया की स्मृति में मरटाला गाला के सरपंच प्रतिनिधि लालाराम मूंद, भामाशाह नरेश लूणिया एवं परिण्डा अभियान के संयोजक व स्टेट अवाडी मुकेश बोहरा अमन की उपस्थिति में घर-घर परिण्डा वितरण प्रारम्भ हुआ।

सोमवार को 25 घरों में मिट्टी के परिण्डे वितरित किए गए। परिण्डा अभियान से जुड़े हरीश बोहरा ने बताया कि भावना महावीर स्वामी के 2623वें जन्म कल्याणक के उपलक्ष में इन दिनों थार नगरी, बाड़मेर में परिण्डा अभियान चलाकर परिण्डे लगाए जा रहे हैं। जिसके तहत 2623 परिण्डे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। जिसके तहत सोमवार को भामाशाह श्री नरेश लूणिया की ओर से उनके पिताश्री श्रद्धेय श्री बाबुलालजी लूणिया का



पावन स्मृति में सांसियों का तला राजस्व गांव में घर-घर परिण्डे लगाने का आगाज किया गया। जिसमें सोमवार को 25 घरों में परिण्डे वितरित किए गए। सांसियों का तला जहां हर घर एक परिण्डा लगाया जायेगा वहीं हर घर एक पौधा भी लगाया जायेगा। सांसियों का तला विद्यालय में पेड़ों पर पक्षियों के लिए मिट्टी के परिण्डे लगाए गए। परिण्डा अभियान के संयोजक मुकेश बोहरा अमन ने कहा कि मानव के मन व उसके कर्म में प्रकृति व उसके अभिन्न अंग विभिन्न जीवों के प्रति दया व करुणा की भावना विकसित करना ही हमारा लक्ष्य है। प्रकृति के प्रति सह-अस्तित्व की

जागरूकता से ही विभिन्न समस्याओं का जड़-मूल से समाधान हो पायेगा। अमन ने बताया कि सांसियों का तला राजस्व में आने वाले दिनों में हर घर कम से एक पौधा अवश्य हो, ऐसी कार्ययोजना बनाई जा रही है। सांसियों का तला के हर घर पर एक परिण्डा व एक पौधा प्राथमिकता से लगाया जायेगा। घर-घर परिण्डा वितरण अभियान के दौरान सरपंच प्रतिनिधि लालाराम मूंद, रमेश आचार्य, मुकेश बोहरा अमन, भामाशाह नरेश लूणिया, हरीश बोहरा, राजेश जोशी, हितेश कुमार, डालूराम सेजु, गणपत, गोविन्द, ममता सिसोदिया, चम्पा सिसोदिया सहित कई जन उपस्थित रहे।

## भगत की कोठी-मन्गारगुड़ी एक्सप्रेस 2 मई से एलएचबी रैक से चलेगी

## संजीवनी टुडे

यात्रियों का सफर होगा आरामदायक। जालोर। रेलवे ने यात्री सुविधा में विस्तार करते हुए मन्गारगुड़ी-भगत की कोठी-मन्गारगुड़ी एक्सप्रेस ट्रेन का अत्याधुनिक एलएचबी कोच से संचालन प्रारंभ किया है। उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर डीआरएम पंकज कुमार सिंह ने बताया कि रेल प्रशासन द्वारा यात्री सुविधा में वृद्धि के उद्देश्य से ट्रेन 22674/22673, मन्गारगुड़ी-भगत की कोठी-मन्गारगुड़ी सुपरफास्ट ट्रेन का 29 अप्रैल से मन्गारगुड़ी से आईसीएफ की जगह अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित एलएचबी रैक से संचालन प्रारंभ किया गया है जिससे यात्रियों का सफर और अधिक आरामदायक होगा। उन्होंने बताया कि ट्रेन 22673, भगत की कोठी से मन्गारगुड़ी एक्सप्रेस 2 अप्रैल को वापसी में भी एलएचबी कोच से संचालित होगी। एलएचबी रैक में परिवर्तित होने के बाद ट्रेन में 2 सैकंड एसी, 9 थो टायर एसी, 7 स्लीपर, 2 साधारण श्रेणी व दो पावरकार श्रेणी के डिब्बों सहित कुल 22 डिब्बे होंगे। उल्लेखनीय है कि मन्गारगुड़ी एक्सप्रेस ट्रेन के लिए एलएचबी रैक चैन्नई स्थित इंडीगल कोच फैक्ट्री (आईसीएफ)



में बनाए गए हैं। एलएचबी जर्मन तकनीक है। यह अधिकतर तेज गति वाली ट्रेनों में इस्तेमाल किया जाता है। जिससे ट्रेन और भी स्पीड से पटरी पर दौड़ सकेगी। इसके साथ ही ज्यादा स्पेस होने से यात्री आराम से सीट पर बैठ व लेट सकते हैं। इस रैक से दुर्घटना होने की संभावना कम रहती है। क्योंकि ये कोच पटरी से आसानी से नहीं उतरते हैं।

इसके अलावा एलएचबी कोच ट्रेन में घंटे दो इसकी गति 160 से 180 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। लिंक हॉफमैन बुश (एलएचबी) आपस में टकरा नहीं सकते हैं। एलएचबी कोच मजबूत होते हैं और दुर्घटना हो जाती है तो नुकसान भी कम होता है। ये कोच एक-दूसरे पर भी नहीं चढ़ते जिससे यात्री सुरक्षित रहते हैं। इन कोचों का ओवरऑल मेटेंसेंस 3 साल में एक बार होता है। जबकि परंपरिक कोच का मेटेंसेंस डेढ़ से लेकर दो साल में करवाना जरूरी होता है।

## चाकसू के राजकीय उपजिला अस्तपाल ड्यूटी पर कार्यरत चिकित्साकर्मियों से अभद्र व्यवहार को लेकर 4 घण्टे कार्य का किया बहिष्कार

## संजीवनी टुडे

चिकित्सीय सेवा हुई प्रभावित, मामला पहुंचा पुलिस थाने सवाल : डॉक्टर व नर्सिंग स्टाफ के साथ अभद्रता और हाथापाई

चाकसू : सोमवार को कस्बे में स्थित उपजिला अस्पताल में चिकित्साकर्मियों और मरीज के परिजनों के बीच हुए एलएचबी का मामला गर्मा गया गई और घटना से नाराज चिकित्साकर्मियों ने करीब 4 घण्टे कार्य का बहिष्कार किया और कारवाई की मांग को लेकर पुलिस थाने पहुंचकर शिकायत दी गई है। चिकित्साकर्मियों के कार्य बहिष्कार के चलते यहां चिकित्सीय व्यवस्था प्रभावित हुई। वही अस्पताल में उपचार के लिए आने वाले मरीजों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा और कई मरीजों को निराश होकर वापस लौटना पड़ा है। अस्पताल के प्रभारी डॉ. रितुराज मीणा सहित चिकित्साकर्मियों का आरोप है कि बीती रात कार्यरत डॉक्टर व नर्सिंग स्टाफ के साथ मरीज के परिजनों ने अभद्रता की और हाथापाई की गई है और उन्होंने डॉक्टर पर जबर्न उचर करवाने का दबाव भी डाला और जब सोमवार को



ओपीडी समय में हाथापाई और अभद्रता की जानकारी लगने पर अस्पताल में कार्यरत चिकित्साकर्मियों में रोष व्यक्त हो गया है। और गुस्साए चिकित्साकर्मियों ने कार्य बहिष्कार कर दिया। अस्पताल के प्रभारी डॉ. रितुराज मीणा ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ पुलिस को रिपोर्ट दी गई है। वही आरोपियों की गिरफ्तारी होने तक आंदोलन जारी रहेगा और इस दौरान पुलिस थाने में बीसीएमएचओ डॉ. सौम्य पंडित, डॉ. शंकर प्रजापति, डॉ. रविन्द्र नारोलिया, डॉ. विनय शर्मा, डॉ. रेखा शर्मा समेत अन्य डॉक्टर, नर्सिंग स्टाफ समेत मेडिकल स्टाफ के कार्मिक मौजूद रहे थे और बाद में थाना प्रभारी कैलाश दान ने मानवहित में डॉक्टरों को समझाया और जिसके बाद डॉक्टर काम पर लौट गए। हालांकि कार्य बहिष्कार के दौरान इमरजेंसी आपात सेवा में डॉक्टरों ने मरीजों को राहत के लिये सेवा दी गई है।

## 21 वर्षीय विवाहिता ने सुसराल में फांसी लगाकर किया सुसाइड



## संजीवनी टुडे

कोटखावदा थाना प्रभारी अब्दुल वहीद ने बताया कि निवाइं थाने के ढाणी जुगलपुरा की 21 वर्षीय विवाहिता की शारी मई 2023 में विमलपुरा गांव निवासी रामोतार के साथ हुई थी। वही सोमवार को पूजा ने अपने कमरे में फंसे से फांसी का फंदा गले में डालकर लटक गई। पूजा को फंसे से लटका देख सुसराल पक्ष के लोगो ने उसे नीचे उतारकर अस्पताल लेकर गए जहां अस्पताल में चिकित्सकों ने पूजा को मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पुलिस ने मृतका के पीहर पक्ष के लोगो मीके पर पहुंचे। पीहर पक्ष ने सुसराल पक्ष पर दहेज प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दी है। फिलहाल मामले की जांच चाकसू एसीपी सुंदर सिंह कर रहे है।

## मानवीय मूल्यों को तकनीकी शिक्षा में प्रधानता देने के लिए चिंतन की आवश्यकता: राज्यपाल कलराज मिश्र

## संजीवनी टुडे

बीकानेर। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि विद्यार्थी, वैदिक भारत के शाश्वत सिद्धांतों को आधार बनाकर ऐसे नवाचार करें, जो प्रकृति के अनुकूल हों। राज्यपाल मिश्र सोमवार को बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह को मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाषाओं में वैज्ञानिक, तकनीकी और चिकित्साकी शिक्षा के पाठ्यक्रमों को सुलभ करवाना है। राज्यपाल ने बीकानेर साहित्यिक परम्परा को रेखांकित किया और परम्परागत ज्ञान को आगे बढ़ाने में डॉ. छगन मोहता, हरीश भादगी, रामदेव आचार्य और यादवेंद्र शर्मा जैसे साहित्यकारों के योगदान का स्मरण किया। उन्होंने कहा कि इनके सुजन सरोकारों ने निरंतर मानवता को जागृत किया है। उन्होंने बीकानेर की गंगा लामना संस्कृति और यहां की पाठ संस्कृति को भी देशभर के लिए मिसाल बताया। राज्यपाल ने कहा कि बीकानेर में प्रौद्योगिकी विकास को भी अहम इतिहास रहा है, यहां के दूरदर्शी महाराज गंगा सिंह ने वर्ष 1926 में रेल संसाधन बढ़ाने और उन्नत सिंचाई के लिए गंगनहर लाने जैसे ऐतिहासिक कार्य किए। उन्होंने कहा कि बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय बीकानेर के

प्रौद्योगिकी, भारतीय दर्शन और नवाचार प्रतीक के रूप में खड़ा है। उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि आज भी हमारे यहां वैज्ञानिक, तकनीकी और चिकित्साकी शिक्षा अंग्रेजी में ही दी जाती है। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति के तहत भारत सरकार द्वारा इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रांसलेशन इंटर इंटरप्रिटेशन की पहल की गई है। इसका उद्देश्य अंग्रेजी के साथ दूसरी भाषाओं में वैज्ञानिक, तकनीकी और चिकित्साकी शिक्षा के पाठ्यक्रमों को सुलभ करवाना है। राज्यपाल ने बीकानेर साहित्यिक परम्परा को रेखांकित किया और परम्परागत ज्ञान को आगे बढ़ाने में डॉ. छगन मोहता, हरीश भादगी, रामदेव आचार्य और यादवेंद्र शर्मा जैसे साहित्यकारों के योगदान का स्मरण किया। उन्होंने कहा कि इनके सुजन सरोकारों ने निरंतर मानवता को जागृत किया है। उन्होंने बीकानेर की गंगा लामना संस्कृति और यहां की पाठ संस्कृति को भी देशभर के लिए मिसाल बताया। राज्यपाल ने कहा कि बीकानेर में प्रौद्योगिकी विकास को भी अहम इतिहास रहा है, यहां के दूरदर्शी महाराज गंगा सिंह ने वर्ष 1926 में रेल संसाधन बढ़ाने और उन्नत सिंचाई के लिए गंगनहर लाने जैसे ऐतिहासिक कार्य किए। उन्होंने कहा कि बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय बीकानेर के



गौरवशाली इतिहास से प्रेरणा लेकर नए शोध संदर्भों में नए आयाम स्थापित करेंगे। मिश्र ने कहा कि विश्वविद्यालय नई शिक्षा नीति के अनुरूप ऐसे पाठ्यक्रम विकसित करें, जिसमें हमारे प्राचीन ज्ञान के संदर्भों के साथ आधुनिक वैश्विक ज्ञान का समन्वय हो। मिश्र ने कहा कि बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय में भारतीय ज्ञान दर्शन और कौशल आधारित पाठ्यक्रम के साथ कौशल निर्माण और नैतिक उन्नयन से जुड़े पाठ्यक्रमों प्रारम्भ किए गए हैं। आने वाले समय में इसके बेहतरीन परिणाम आएंगे। राज्यपाल ने दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि स्वर्ण पदक प्राप्त करने वालों में से 11 बालिकाएं हैं। यह संख्या इस बात की

द्योतक है कि अवसर मिलने पर बालिकाएं अपने भविष्य के साथ राष्ट्र के भविष्य को भी सुदृढ़ बना सकती हैं। विश्वविद्यालय ने कुलपति प्रो. अम्बरीश शरण विद्यार्थी ने स्वगत उद्बोधन दिया एवं बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय के नवाचारों व प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के संघटक एवं संबद्ध महाविद्यालयों में स्नातक, परास्नातक, विद्या वाचस्पति की उपाधि के लिए लगभग 16 हजार विद्यार्थी नामांकित हैं। साथ ही इंजीनियरिंग एवं प्रबंधन संकाय के कुल सात अनुसंधान केंद्रों पर 17 विशेषज्ञता क्षेत्रों में विद्या वाचस्पति पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। प्रो. अम्बरीश शरण ने बताया कि विद्यार्थियों में नवाचार,

रचनात्मक, कौशल-विज्ञान प्रौद्योगिकी, अभियांत्रिकी और अभिनव विचारों को विकसित करने के लिए आइडिया लैब एवं आई-स्टार्ट इनक्यूबेशन की स्थापना की गई है। महिला सशक्तिकरण को प्रोत्साहित करने के लिए एनसीसी महिला विंग सहित विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को तनाव मुक्त जीवन जीने के प्रशिक्षण के लिए वैक्यू सेल आनंदम की स्थापना भी की गई है। उन्होंने बताया कि डिजिटल मूल्यांकन प्रणाली को 75 प्रतिशत तक की सीमा तक बढ़ाया गया है साथी तकनीकी शिक्षा के विद्यार्थियों को प्राचीन आदिवाकर कृषि वन वास्तुशास्त्र ललित कला प्राकृतिक चिकित्सा योग और अन्य ज्ञान से भारतीयता से परिचित करवा कर स्वदेशी ज्ञान भी उपलब्ध करवाया जा रहा है। प्रो. विद्यार्थी ने कहा कि यहां से निकले विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय और जिले को नई पहचान दिलाई है। समारोह के दौरान राज्यपाल एवं कुलाधिपति कलराज मिश्र ने बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह में वर्ष 2024 बीआर, बी डिजाइन, बीटेक, एमटेक, एमबीए, एमसीए को नई पहचान दिलाई है। समारोह के दौरान राज्यपाल एवं कुलाधिपति कलराज मिश्र ने बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह में वर्ष 2024 बीआर, बी डिजाइन, बीटेक, एमटेक, एमबीए, एमसीए पाठ्यक्रम सहित कुल 20 स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। वहीं बीटेक की 2 हजार 529, बीटेक (ऑनर्स) की 18, एमबीए की 426,

## खबरें फटाफट

**गिरिजा शंकर शर्मा को के स्टेट विश्वविद्यालय ने पी.ए.डी. की मानक उपाधि प्रदान की**



## संजीवनी टुडे

उदयपुर। राजस्थान बाल कल्याण समिति झाडोल, के प्रबंध निदेशक गिरिजा शंकर शर्मा को मेरीलैंड स्टेट विश्वविद्यालय द्वारा पीएचडी की मानक उपाधि प्रदान की गई। संस्था वर्तमान में राजस्थान, मध्यप्रदेश एवं गुजरात के जन जाति बाहुल्य क्षेत्र के 30 जिलों में शिक्षा, एवं ग्रामीण विकास के क्षेत्र में सतत रूप से सक्रिय स्वेच्छिक संगठन है। वर्तमान में संस्था 12 महाविद्यालयों, 6 विद्यालय, 15 शिक्षा केन्द्र, 18 छात्रावास, का कुशल संचालन कर रही है। जहाँ आज 25000 से अधिक छात्र-छात्राएँ स्कूल शिक्षा से उच्च शिक्षा, टिचर्स ट्रेनिंग, टेक्नीकल ट्रेनिंग, नर्सिंग डिग्री, बी.सी.ए. शिक्षा-उच्च शिक्षा, गैरज्यूरेशन, पोस्ट ग्रेजुएट स्तर की शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। साथ ही ग्रामीण सामुदायिक विकास के क्षेत्र में संस्था वर्तमान में 30 जिलों में भू-संरक्षण, जल संसाधन, कृषि विकास, कार्यक्रम, 450 गांवों में सखी प्राजेक्ट, आय संवर्धन कार्यक्रम के साथ 50 फार्मर्स प्रोड्यूसर कम्पनियों का संचालन कर रही है। एवं राज्य सरकार की आर्थिक सहायता से श्रीअन्नपूर्णा सोई कार्यक्रम के अन्तर्गत 15 श्रीअन्नपूर्णा रसोइयो के संचालन के साथ-साथ कई विभिन्न सेवाओं के प्रकल्पों का संचालन कर रही है।

**दुसरे दिन भी नहीं हुई वृद्ध के शव की शिनाख्त, मुंडवाड़ा ए के सूखे तालाब पेटे में वृद्ध का शव मिलने का मामला**

## संजीवनी टुडे

खेखाड़ा। थाना क्षेत्र के मुंडवाड़ा ए गांव के तालाब के सूखे पेटे में रविवार शाम एक वृद्ध का शव के दुसरे दिन सोमवार को भी शव की शिनाख्त नहीं हो पाई। उल्लेखनीय है कि मुंडवाड़ा ए के सूखे तालाब पेटे में रविवार शाम 60 वर्षीय वृद्ध का शव मिला। सूचना पर खेखाड़ा पुलिस मौके पर पहुंची और देखा तो शव के बाए हाथ का पंजा नहीं था। शव से थोड़ी दूर टॉवेल और कपड़े धोने का साबुन पड़ा हुआ था। शव दो दिन पुराना बताया जा रहा है। फिलहाल पुलिस ने शव को खेखाड़ा मोर्चरी में रखवाया है। वहीं पुलिस शव की शिनाख्ती में जुट गई है।

**दो बाईकों की आमने-सामने टक्कर में एक युवक की मौत**

## संजीवनी टुडे

उदयपुर। उदयपुर जिले के ऋषभदेव थाना क्षेत्र में दो बाईकों की आमने-सामने भिड़न्त में एक युवक की मौत हो गई पुलिस के अनुसार देवीलाल (23) पुत्र भैर उर्फ भैरुलाल मीणा निवासी गाडवा फलां दामणा ऋषभदेव जो 14 अप्रैल को बाईक लेकर अपने गांव से कागदर की ओर किसी काम से जा रहा था। शाम को करीब 7.30 बजे कागदर में सामने से तेज गति से आई एक अन्य बाईक ने इसकी बाईक को टक्कर मार दी, जिससे यह गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे परिजन स्थानीय चिकित्सालय लेकर गए, जहां से एमबी चिकित्सालय उदयपुर रेफर कर दिया गया। उदयपुर में इस युवक ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। सूचना पर हेड कंस्टेबल विनोद कुमार ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

**बहन के मायरा लेकर गए, पीछे से चोरों ने किया घर साफ**

## संजीवनी टुडे

उदयपुर। जिले के फतहनगर थाना क्षेत्र में परिवार बहन के घर में शादी होने पर मायरा लेकर गया और पीछे से अज्ञात चोरों ने सूने मकान का ताला तोड़कर नकदी और जेवरात चोरी कर ले गए। पुलिस के अनुसार जगदीश पुत्र नारायण लौहार निवासी भावली फतहनगर ने मामला दर्ज करवाया कि उसकी बहन के घर में शादी होने पर वह परिवार सहित मायरा लेकर बहन के घर नांदवेल डबोक गया था। पीछे से अज्ञात चोरों ने दिन-दहाड़े उसके घर का ताला तोड़कर घर में से सोना करीब 2 तोला वजनी जेवरात एवं चांदी करीब डेढ़ किलो वजनी जेवरात और 40 हजार रूपए नकद चोरी कर ले गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

**श्रमिक दिवस पर 1 मई को मनरेगा श्रमिकों का रहेगा अवकाश**

## संजीवनी टुडे

उदयपुर। श्रमिक दिवस के अवसर पर एक मई को महात्मा गांधी नरेगा योजना अंतर्गत कार्यरत श्रमिकों का अवकाश रहेगा। वहीं नरेगा कार्मिकों के लिए गुन्वार को निर्धारित अवकाश के दिन 2 मई को कार्य दिवस रहेगा। यह जानकारी ईजीएस आयुक्त शिवांगी स्वर्णकार ने दी।

## अंतर्राष्ट्रीय नृत्य दिवस देश-विदेश के 160 प्रतिभागी कलाकारों से सजी लेकसिटी की शाम

## संजीवनी टुडे

**नृत्य की सभी विधाओं में हुई प्रस्तुतियां, प्रतिभागियों ने बांधा समां,**

उदयपुर। अंतर्राष्ट्रीय नृत्य दिवस पर एम स्क्वायर प्रोडक्शन एंड इवेंट्स, कथक आश्रम, केयर हेल्थ इंशोरेंस, अर्बन स्क्वायर मॉल और एज्यु ग्रीथ के संयुक्त तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय लेवल के उदयपुर डांस फेस्टिवल का रंगारंग आगाज रविवार को अर्बन स्क्वायर मॉल में हुआ। देश-विदेश से फेस्टिवल में हिस्सा लेने आए करीब 160 कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से ऐसा समां बांधा कि दर्शक भी उनके साथ थिरकने लगे।

**दर्शक हुए मंत्रमुग्ध, खूब थिरके**

कार्यक्रम में देश-विदेश के

**एक्सयूटी गाडी में अवैध रूप से परिवहन किया जा रहा 224 किलोग्राम डोडाचूरा जब्त**



## संजीवनी टुडे

चित्तौड़गढ़। जिले के भैंसरोडगढ़ थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्यवाही करते हुए नाकाबंदी के दौरान एक एक्सयूटी गाडी में परिवहन किया जा रहा 224 किलोग्राम डोडाचूरा जब्त किया है। पुलिस अधीक्षक श्री सुधीर जोशी ने बताया कि जिले में चलाए जा रहे अवैध मादक पदार्थों की धरपकड़ के ऑपरेशन नाकोर्स अभियान के तहत एएसपी रावतभाटा भगवत सिंह हिंदा एवं डीएसपी रावतभाटा प्रभुलाल कुमावत के सुपरविजन में सोमवार को थानाधिकारी

**पुलिस थाना आंधी व डीएसटी की संयुक्त कार्यवाही**

## संजीवनी टुडे

जमवारामगढ़। पुलिस थाना आंधी व डीएसटी की टीम ने संयुक्त कार्यवाही करते हुए क्षेत्र में अवैध हथियार के साथ गौ तस्करी के प्रकरण में 12 साल से फरार चल रहे 2000 रुपये के ईनामी अभियुक्त नसीम मेव को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की। थानाधिकारी जय प्रकाश मील ने बताया कि दिनांक 19-20.12.2012 की रात्री में इलाका थाना क्षेत्र में दैसा-मनोरपुर राजमार्ग पर रात्री पुलिस गश्त प्रभारी रामफुल एससी व जाणा द्वारा एक मिनी ट्रक को संधिध तौर पर तीरपाल आदि अतिभयुक्त की गिरफ्तारी पर 2000 रुपये का ईनाम घोषित किया गया। आरोपी नसीम मेव थाना आंधी की टीप- 10 मोस्ट वॉण्टेड की सूची में शामिल किया गया। जिला पुलिस अधीक्षक शांतनु कुमार सिंह के निर्देशों चलाए जा रहे अपराधियों के धरपकड़ अभियान पर गठित टीम द्वारा फरार ईनामी अभियुक्त नसीम मेव उम्र ३४ वर्ष पुत्र युसूस मेल, निवासी मालुका, थाना हथिन, जिला पलवल, हरियाणा की सूचना एकत्रित कर सोमवार को टीम द्वारा दबिश देकर पलवल हरियाणा से गिरफ्तार किया गया जिसे सोमवार को न्यायालय में पेश किया गया।

**काया में डामोर परिवार की अनूठी पहल,पौत्र व पौत्री के विवाह पर स्कूल में वृक्षारोपण व प्रवेश द्वार निर्माण कर भेंट**

## संजीवनी टुडे

उदयपुर। उदयपुर जिले में गिर्वा पंचायत समिति की ग्राम पंचायत काया में एक परिवार ने अपने पौत्र व पौत्री के विवाह पर स्कूल में प्रवेश द्वार व स्कूल में वृक्षारोपण करवाकर अनूठी मिशाल पेश की है। दरअसल गिर्वा पंचायत समिति की ग्राम पंचायत काया निवासी डामोर परिवार की मुखिया होमली बाई धर्मपत्नी स्व. धर्मराज डामोर के पुत्र व पुत्रवधू काया ग्राम पंचायत की सरपंच पुष्पा पत्नी रमेश चन्द्र डामोर, मंगयती बाई पत्नी स्व. राजकुमार डामोर व सुपना पत्नी अम्बालाल डामोर द्वारा अपने पौत्र साहिल डामोर व पौत्री प्रिया डामोर के विवाह के अवसर पर 6 लाख 11000 हजार की लागत से स्कूल का प्रवेश द्वार बनाकर भेंट किया।वहीं 10 लाख 1100 हजार की लागत राशि से वृक्षारोपण करवा कर विद्यालय विकास एवं प्रबंधन समिति को भेंट किया। उक्त स्कूल उदयपुर जिले के शिक्षा जात में यह सुंदर मुख्य प्रवेश द्वार चर्चा का विषय बना हुआ है। इस अवसर पर विद्यालय विकास एवं

कलाकारों ने अलग-अलग डांस प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। यह कार्यक्रम अर्बन स्क्वायर मॉल में दोपहर 2 बजे से शुरू हुआ, जिसे देखने कई कलाप्रेमी और आम जनता जुटी। इस फेस्टिवल में कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से ऐसे समां बांधा कि दर्शक भी उनके साथ थिरकने लगे।

**अपनी प्रतिभा का मनवाया लोहा**

कथक आश्रम की चंद्रकला चौधरी ने बताया कि डांस फेस्टिवल में उदयपुर सहित कोलकाता, दिल्ली, गुजरात, उड़ीसा, भूटान, मलेेशिया बांग्लादेश के 160 प्रतिभागियों ने नृत्य की सभी विधाओं में प्रस्तुतियां देकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। फेस्टिवल में बॉलीवुड, पंजाबी, गुजराती, राजस्थानी सहित सांस्कृतिक नृत्य पर भी खूब प्रस्तुतियां हुईं, जिसमें हर वर्ग के प्रतिभागियों ने अपनी कला की प्रस्तुति दी।



**विजेता प्रतिभागियों को मिले पुरस्कार**

आयोजन सचिव प्रांजल शर्मा ने बताया कि फेस्टिवल दो पारियों में आयोजित हुआ, जिसमें पहली पारी में नृत्य प्रतियोगिताएँ हुईं और दूसरी पारी में शाम को डीजे पार्टी हुई, जिसमें शहरवासियों ने आयोजित की गई, जिसमें शहरवासियों ने

**नगरपालिका भूमि पर कब्जे की तैयारी ? जमीन हथियाने के लिए हो रहा खण्डों की बाउंड्री बनाने का प्रयास**

## संजीवनी टुडे

निम्बाहेडा/चित्तौड़ हाईवे पर बोराखेडी जाने वाले रोड पर हनुमान मंदिर के आसपास स्थित खाली पडी नगरपालिका की भूमि पर खुलेआम अवैध कब्जे की तैयारी चल रही है वो हर किसी को नजर आ रही है लेकिन ऐसा लगता है पालिका जानबूझकर आँखें मूंदे हुए हैं । सूत्र बताते हैं कि कुछ प्रभावशाली लोगों द्वारा खंडे (पत्थर) जमा कर अवैध रूप से हथियाने का प्रयास जारी है। रेकार्ड अनुसार बताया जाता है कि आराजी नम्बर 920 और 1131/920 नगर पालिका के नाम पर दर्ज है पर नगरपालिका ने वहां न तो बाउंड्री बना रखी है न वहां पर कोई बोर्ड आदि लगा रखा है जिससे यह पता चले कि यह भूमि पालिका की है इसी बात का फायदा उठाकर जमीन पर अवैध रूप से कब्जा करने हेतू धड़ल्ले से खंडे डाल कर कब्जे करने का प्रयास किया जा रहा है। हाईवे से लगी हुई बेशकीमती जमीनों के प्रति नगर पालिका की इस कदर उदासीनता समझ से परे है। या ऐसा हो सकता है कि जानबूझ कर पालिका प्रशासन अंजान बना बैठा हो क्योंकि पालिका में इन दिनों राम राज्य भी तो उतर आया है। इससे पहले की औद्योगिक क्षेत्र में रिको की करोड़ों की जमीनों की तरह यहाँ भी अवैध कब्जे अपने पैर पसारो पालिका और स्थानीय प्रशासन को स्वत संज्ञान लेकर उचित कार्यवाही करना चाहिये।

**पानी का टैंकर पलटने से ट्रैक्टर चालक युवक की दर्दनाक मौत**

## संजीवनी टुडे

जमवारामगढ़। पंचायत समिति आंधी क्षेत्र के गांव फुटोलाव में सोमवार को एक पानी का टैंकर पलटने से ट्रैक्टर चालक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली तथा शव का कब्जे के चिकित्सालय में शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों के सुपुर्द किया। पुलिस एवं प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार लालवास गांव निवासी युवक रणजीत उम्र २२ वर्ष पुत्र गोरधन मीणा सोमवार दोपहर करीब ११ बजे फुटोलाव के राउमावि में टैंकर से पानी खाली करने गया था इस दौरान आधा पानी तो गांव में ही संचालित विद्यालय के पुराने भवन में खाली कर दिया तथा बाकी पानी खाली करने के लिए विद्यालय के नए भवन पर जा बिना पुलिस अधीक्षक कार्यालय द्वारा अतिभयुक्त की गिरफ्तारी पर 2000 रुपये का ईनाम घोषित किया गया। आरोपी नसीम मेव थाना आंधी की टीप- 10 मोस्ट वॉण्टेड की सूची में शामिल किया गया। जिला पुलिस अधीक्षक शांतनु कुमार सिंह के निर्देशों चलाए जा रहे अपराधियों के धरपकड़ अभियान पर गठित टीम द्वारा फरार ईनामी अभियुक्त नसीम मेव उम्र ३४ वर्ष पुत्र युसूस मेल, निवासी मालुका, थाना हथिन, जिला पलवल, हरियाणा की सूचना एकत्रित कर सोमवार को टीम द्वारा दबिश देकर पलवल हरियाणा से गिरफ्तार किया गया जिसे सोमवार को न्यायालय में पेश किया गया।

**ईको कार से 231 किलोग्राम अवैध डोडाचूरा जब्त, आरोपी नामजद, एस्कोर्ट करते एक बाईक सवार गिरफ्तार**

## संजीवनी टुडे

चित्तौड़गढ़। पुलिस थाना गंगार द्वारा अवैध मादक पदार्थों की धरपकड़ के तहत बड़ी कार्यवाही करते हुए ईको कार में 13 कटटों में अवैध अफीम डोडाचूरा परिवहन करते हुए कुल 231 किलो 500 ग्राम अफीम डोडा चूरा व डोडा चूरा परिवहन में प्रयुक्त ईको कार एवं एस्कोर्ट में प्रयुक्त मोटरसाईकिल जप्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। वहीं मौके से फरार हुए आरोपी को नामजद कर लिया है। पुलिस अधीक्षक श्री सुधीर जोशी ने बताया कि एएसपी चित्तौड़गढ़ पलवत सिंह जैतावत के निर्देशन व डीएसपी गंगार रविन्द्रप्रताप सिंह के सुपरविजन में अवैध मादक पदार्थों की धरपकड़ कार्यवाही के तहत सोमवार को थानाधिकारी गंगार मोती राम पु0न10 पुलिस जाब्ता के साथ थाना क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान गणिया गांव से डेट गांव की तरफ जाते एक मोटरसाईकिल सवार सामने आती पुलिस गाड़ी व बावर्दी पुलिस जाणा को देखकर मोटरसाईकिल को तेजी से भागने का प्रयास किया। जिसे पुलिस ने उसको मृत घोषित कर दिया। सूचना के बाद मौके पर पहुंचे थानाधिकारी मील ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द किया। घटना की जानकारी के बाद परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है।

के सफल आयोजन को लेकर पूरी टीम और फेस्टिवल के प्रतिभागियों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि उदयपुर डांस फेस्टिवल का दुसरा सीजन सफल रहा है। शहरवासियों ने इसे खूब सराहा है। हम आगामी समय में तीसरा सीजन भी लेकर आएंगे।

**पांच से पचास साल तक के प्रतिभागियों ने दी प्रस्तुति**

फेस्टिवल में बॉलीवुड, पंजाबी, गुजराती, राजस्थानी, भरतनाट्यम, फ्री स्टाइल, वेस्टर्न सहित कई सांस्कृतिक लोकनृत्य हुए। यहां 5 साल से लेकर 50 साल तक की कलाकारों ने प्रस्तुति दी। कहीं नों-बेटियों को जोड़ी आई तो कहीं सहेलियों की। कई ने सोलो परफॉर्मेंस भी दी। विजेता प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र और पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित भी किया गया। इसके बाद शाम को डीजे पार्टी आयोजित हुई, जिसमें शहरवासियों ने खूब एंजॉय किया।

**इनकी रही गरिमामय उपस्थिति**

चन्द्रकला चौधरी ने बताया कि फेस्टिवल में प्रदीप्तो सेन (वाइस प्रेसीडेंट अर्बन स्क्वायर मॉल) ताहिर हाफिजा खान ( जनरल मैनेजर ऑपरेशंस अर्बन स्क्वायर मॉल ), राहुल बड़ाला, राजीव सुराणा, नीरज सालवी, गौतम गाखेजा, हेमंत सिंह, प्रीति सोगानी, तारिका धावाई , भानु प्रताप, गौरीकांत, कुलदीप सिंह, मयूर व्यास, सूर्य प्रकाश सुहालका, लवदीप, अश्वय सेठिया सुमित कुमार बोराना , पीयूष पालीवाल नीतीश वर्मा ,अभिषेक पालीवाल , एक प्रतीक्षा दवे ,किंजल तिवारी , राजीव भवना पीयूष वसिटा ,धृवल वीरा उपस्थित रहे। कार्यक्रम हिमाद्री सिंह राजावत, मनोज सालवी और सेजल सुहालका ने जज की भूमिका का निर्वहन किया। रॉयल स्टूडियोज से प्रधुम सिंह राठौड़ ने फोटो ग्राफी की। कार्यक्रम संचालन नितिन दशोरा ने सम्भाला।

**विधुत तारों के शार्ट सर्किट होने से लगी आग, सूचना पर पहुंची तखतगढ़ व जालोर फायरब्रिगेड टीम, काफी मशक्कत के बाद आग पर पाया काबू, मोडाराम कुमावत के कृषि कुएं पर लगी आग**

## संजीवनी टुडे

रोडला आहोर। आहोर उपखंड क्षेत्र के रोडला ग्राम से करीब एक किलोमीटर दूर मोडाराम व गांचीयों के कृषि कुएं पर विधुत तारों के शार्ट सर्किट होने से कृषि कुएं के जाव में अचानक आग लग गई। कृषि कुएं पर तेज हवाओं से आग की लपटें देखकर रमेश कुमार गांची ने कृषि कुएं के मालिक गांव से मौका स्थल पर पहुंचकर आग पर काबू पाने के लिए मशक्कत करते रहे लेकिन तेज हवाओं से आग ने विकराल रूप ले रखा था । उधर आग की लपटें तेज देखकर कृषि कुएं के मालिक ने ग्राम पंचायत रोडला व प्रशासन से मदद की मांग करते हुए फायरब्रिगेड को सूचित किया। वहीं ग्राम पंचायत रोडला के सरपंच हुकमसिंह राठौड़ व पटवारी पुष्पेन्द्र सिंह ने तत्परता दिखाते हुए प्रशासन को अवगत करवाया। सूचना पर फायर ब्रिगेड तखतगढ़ व नगरपरिषद जालोर की फायरब्रिगेड मौका स्थल पहुंची। वहीं तेज हवाओं से कृषि कुएं के पेड़ पीधे व



जलाऊ लकड़ी व कृषि कुएं की बाड़ जलकर राख हो गई। उधर अग्निशमन विभाग की जालोर व तखतगढ़ की टीमों आग पर काबू पाने के प्रयास जारी थे। वहीं कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।मौके पर सरपंच हुकमसिंह राठौड़, पटवारी पुष्पेन्द्र सिंह, जालोर फायरब्रिगेड व तखतगढ़ फायर ब्रिगेड टीम व ग्रामीण मौजूद रहे। चांदराई सर्फैल में अग्निशमन वाहन उपलब्ध नहीं होने से फायर ब्रिगेड टीम तखतगढ़ व जालोर की फायर ब्रिगेड की टीमों को पहुंचने में काफी समय अधिक लगता है जिससे क्षेत्र में लगी आग के

विकराल रूप से काफी हानि होती है। ऐसे में प्रशासन व आहोर के जनप्रतिनिधियों को चांदराई सर्फैल में अग्निशमन वाहन की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। जनप्रतिनिधि व प्रशासन के आलाधिकारियों को इस गंभीर मुद्दे को अमल में लेते हुए जनसमस्याओं को देखते हुए तुरंत जनहित मुद्दे का समाधान आवश्यक है। आज का वाक्या देखा जाए तो रोडला के कृषि कुएं में आग की घटना के बाद प्रशासन करीब डेढ़ से दो घंटे देरी से पहुंचा। क्योंकि यहां से जिला मुख्यालय जालोर की दूरी अधिक है।



में जंगल में भाग गया। उक्त मोटरसाईकिल व ईको कार की नियमानुसार तलाशी ली गई तो उक्त ईको कार के अंदर अफीम डोडा चूरा के कटटों पड़े हुए दिखाई दिये। जिस पर काले रंग के प्लास्टिक के कटटो को इको कार से निचे उतार कर गिनती की गई तो कुल 13 कटटो होना पाया गया। जिनमें 231 किलो 500 ग्राम अवैध डोडाचूरा भरा मिला। उक्त अवैध अफीम डोडा चूरा, तस्करी में प्रयुक्त ईको कार व एस्कोर्ट में करती मोटरसाईकिल को जप्त कर मौके से बाइक चालक आरोपी सालेरा पुलिस थाना गंगार जिला चित्तौड़गढ़ निवासी 62 वर्षीय गंगारचंद पुत्र रामलाल

जाट को गिरफ्तार किया गया है। वहीं मौके से फरार हुये ईको कार के चालक सालेरा पुलिस थाना गंगार जिला चित्तौड़गढ़ निवासी प्रकाश जाट पुत्र परशु जाट को नामजद कर पुलिस थाना गंगार पर एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान किया जा रहा है।

**कार्यवाही में शामिल टीम**

थानाधिकारी मोती राम पु.नि., कानि. दिनेश कुमार, रामस्वरूप, भरत लाल, रामरतन, मदन लाल, गजेन्द्र, नानू लाल व उपेन्द्र सिंह।

**भूपाल नोबल्स स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 01 मई को अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस का आयोजन**

## संजीवनी टुडे

उदयपुर। भूपाल नोबल्स विश्वविद्यालय की संघटक इकाई भूपाल नोबल्स स्नातकोत्तर महाविद्यालय में भौतिकी विभाग द्वारा " विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में नवीनतम रश्मान और विकास" विषय पर दो दिवसीय कांफ्रेंस का आयोजन किया जा रहा है। इसमें 125 से अधिक शोध पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे जिसमें से 20 फ्रीसदी विदेश के शोध पत्र होंगे। इस अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस के मुख्य संरक्षक एवं विश्वविद्यालय चेयरपर्सन प्रो. कर्नल शिवसिंह सारंगदेवोत, संरक्षक एवं विश्वविद्यालय अध्यक्ष डॉ. महेंद्र सिंह राठौड़ तथा सह संरक्षक एवं विश्वविद्यालय कुल सचिव श्रीमान मोहम्मद सिंह राठौड़ के अनुसार विस्तृत स्तर पर आयोजित यह कांफ्रेंस अपने आप में बेहद महत्वपूर्ण है तथा यह सभी विद्यार्थियों एवं शोधकर्ताओं को एक

वैश्विक मंच उपलब्ध करवाएगी जिससे सभी को अपने लक्ष्य प्राप्त करने में आसानी होगी साथ ही वह अपनी क्षमता और काम का सही निर्धारण कर पाएंगे। समाज, अर्थव्यवस्था, शिक्षा, पारिस्थितिकी संतुलन आदि के लिए प्रौद्योगिकी के महत्व को नकारा नहीं जा सकता।

अतः इस विषय को लेकर आयोजित कांफ्रेंस वर्तमान समय की मांग है जो शोध के नए परिणाम और तथ्यों को उजागर करेगी। कांफ्रेंस अत्यधिक डॉ.रेणु राठौड़, कांफ्रेंस निदेशक डॉ. रितु तोमर एवं आयोजन सचिव डॉ. देवेन्द्र पारीक ने जानकारी सांझा करते हुए बताया कि यह कांफ्रेंस ऑफलाइन एवं ऑनलाइन दोनों मोड पर होगी तथा साथ ही दो दिवसीय इस कांफ्रेंस में देश-विदेश के ख्यातनाम विषय विशेषज्ञ सम्मिलित होंगे जिसमें प्रो. जी सी अनुपमा, प्रो.

हरिओम वत्स, डॉ.हरीश सेठ, प्रो. एस एन ए जाफरी, डॉ.साधना सिंह प्रो. रमित भट्टाचार्य, प्रो.भुवन जोशी, डॉ.बृजेश कुमार, प्रो. मीनल बाफना, डॉ. जयंत जोशी, प्रो. मुकेश श्रीमाली, डॉ. विशाल जोशी, डॉ. संजीव तिवारी, डॉ. अरुण कुमार अवस्थी, डॉ मलेश कुमार पटेल, डॉ. कुंवर अलंकर प्रताप सिंह, डॉ.एस आर मदन शंकर, डॉ. विवेक जैन, डॉ. सोनालिका अग्रवाल आदि आमंत्रित वक्ताओं के रूप में उपस्थित रहकर विषय से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। कांफ्रेंस समन्वयक डॉ. निमल सारस्वत, सह समन्वयक डॉ. निंकुंज चैतवार् एवं कांफ्रेंस सदस्य डॉ. लोकेश सुथार एवं मिस दीपाली बोरगामा ने तकनीकी सत्रों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि दो दिवसीय इस कांफ्रेंस में पांच तकनीकी सत्र होंगे।



# मधुमेह रोगियों को लेना चाहिए योग का सहारा



पश्चिमोत्तानसन- इस आसन से शरीर का पाचनत्रंज मजबूत होता है और शरीर में रक्त का संचार तेजी से होता है, जिससे व्यक्ति को डायबिटीज से लड़ने में आसानी होती है। यह आसन करने के लिए पैर सीधे फैलाकर बैठ जाएं। फिर दोनों हाथों को ऊपर उठाएं और सांस भरते हुए पैरों के तलवे को पकड़ने की कोशिश करें। घुटने से माथा सटना चाहिए। फिर सांस छोड़ते हुए हाथ ऊपर करके सामान्य हो जाएं। इस प्रक्रिया को दो से तीन बार दोहराएं।

**सर्वांगासन:** यह शरीर का संपूर्ण व्यायाम है। इसे करने से थायरॉइड और पैराथायराइड ग्रंथियों को मजबूती मिलती है। इसे करने के पहले सीधे लेट जाएं, फिर पैरों को धीरे-धीरे उठाते हुए 90 डिग्री का कोण बनाएं। हाथों से कमर को सहारा दें। इस आसन में शरीर का सारा भार गर्दन पर पड़ना चाहिए। पैरों को सीधा रखें।

**अर्ध मत्स्येन्द्रासन:** यह आसन यकृत व मूत्राशय को सक्रिय बनाता है। जिन लोगों के शरीर के भीतर इंसुलिन का उत्पादन नहीं होता या जिन्हें मधुमेह की बीमारी होती है, यह अभ्यास उनके शरीर में अग्नाशय को सक्रिय बनाकर इंसुलिन के उत्पादन में सहयोग देता है, इसलिए यह मधुमेह के उपचार के लिए रामबाण दवा है। इस आसन को करने के लिए सबसे पहले सामने की ओर दोनों पैरों को फैलाकर बैठ जाएं। अब दाहिने पैर को मोड़ते हुए बाएं घुटने के बगल में बाहर की ओर रखें। इसके बाद बाएं को दाहिने ओर मोड़िए। एड़ी दाहिने नितम्ब के पास रखें। बाएं हाथ को दाहिने पैर के बाहर की ओर रखते हुए दाहिने पैर के टखने या अंगूठे को पकड़ें। दाहिना हाथ पीछे की ओर कमर में लपेटते हुए शरीर को दाहिनी ओर मोड़ें। अंतिम अवस्था में पीठ को अधिक से अधिक मोड़ने की कोशिश करें। एक मिनट इस अवस्था में रूकने के बाद धीरे-धीरे सामान्य अवस्था में आ जाएं। अब इसी क्रिया को

विपरीत दिशा में करें। गर्भावस्था के दौरान व हथ रोगियों को यह आसन नहीं करना चाहिए।

**प्राणायाम:** प्राणायाम मधुमेह के रोगियों के लिए बहुत फायदेमंद होता है। खासतौर से, भ्रामरी और भ्रमिका प्राणायाम तो डायबिटिक लोगों को जरूर करना चाहिए। इनके नियमित अभ्यास से स्ट्रेस लेवल कम होता है और शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ती है। भ्रामरी प्राणायाम करने के लिए पद्मासन में बैठ जाएं। अंगूठे से कान बंद करें और ऊपर की तीन उंगलियों को आंखों पर रखें। अब गहरी सांस लेते हुए गले से उच्चारण करें। भ्रमिका प्राणायाम के लिए पद्मासन में बैठ जाएं। गहरी सांस लें और उसे जल्दी जल्दी छोड़ें। इस प्रक्रिया में मुंह बंद रखें और सांस की सारी प्रक्रिया नाक से ही करें।

**सूर्य नमस्कार:** अगर आपके पास सभी आसनों को करने का पूरा समय नहीं है तो रोज दो से तीन बार सूर्य नमस्कार अवश्य करें। सिर्फ इस आसन को करने से भी आप काफी हद तक इस रोग को नियंत्रित कर सकेंगे। इससे श्वास, पेट और प्रतिरोधी क्षमता को लाभ पहुंचता है।

## इन बातों का रखें ख्याल

अगर आप योग द्वारा मधुमेह का उपचार कर रही हैं तो कुछ बातों का ध्यान अवश्य रखें। सर्वप्रथम हमेशा खाली पेट ही योग क्रिया करें। साथ ही ढीले, हल्के व आरामदायक वस्त्र पहनकर ही योग करें। ऐसा जरूरी नहीं है कि आप सभी योगासन करें लेकिन जो भी करें, उसे सही ढंग से करें। साथ ही इसे चंद दिनों की चांदनी न बनाएं बल्कि जीवपर्यन्त हमेशा करने की आदत डालिए। योगासन के अतिरिक्त अगर संभव हो तो सप्ताह में एक दिन नेती क्रिया या कुंजल क्रिया अवश्य करें। इन क्रियाओं को शुरूआत में किसी विशेषज्ञ की देख-रेख में ही करें।

## हेल्थ संवाददाता

भारत में आज लगभग हर घर में आपको कोई न कोई मधुमेह का रोगी मिल ही जाएगा। जैसे तो आमतौर पर लोग इस बीमारी को कोई खास तवज्जो नहीं देते लेकिन एक बार इस बीमारी की जद में आ जाने के बाद इससे छुटकारा पाना बेहद मुश्किल हो जाता है। साथ ही यह एक ऐसी बीमारी है कि जिसके बाद मनुष्य को बहुत सी चीजों से किनारा करना पड़ता है। इतना ही नहीं,

कुछ समय पहले तक जहां यह एक उम्र के बाद ही लोगों को अपनी चपेट में लेता था, वहीं गलत खान-पान व जीवनशैली के कारण वर्तमान में कम उम्र के लोग भी इससे पीड़ित हो रहे हैं। ऐसे में यह बेहद आवश्यक है कि कुछ ऐसे उपाय किए जाएं, जिससे आपका शुगर कंट्रोल में रहे। मधुमेह को नियंत्रित रखने में योग आपके काफी काम आ सकता है। तो आईए जानते हैं मधुमेह को कंट्रोल करने वाले कुछ योगासनों के बारे में-

## ‘पपीते का रस वाकई है डेंगी की कारगर दवा’



डेंगी के मरीजों को पपीते के पत्ते से फायदा होता है या नहीं अभी इस पर सवालिया निशान हैं, लेकिन श्रीलंकाई वैज्ञानिकों की रिसर्च को ब्रिटिश मेडिकल जर्नल ने पब्लिश कर इसके यूज करने के तरीके पर गाइडलाइन जारी की है। जर्नल की इस स्टडी के अनुसार, पपीते के पत्ते

से डेंगी के मरीजों में बुखार के पहले दिन से ही फायदा होता है। साथ ही, यह भी कहा गया है कि अभी तक जितनी भी स्टडी हुई है, किसी में इसके साइड इफेक्ट की बात सामने नहीं आई है। लेकिन, अभी तक न तो डब्ल्यूएचओ ने इसे रिकमंड किया है और न ही नेशनल गाइडलाइन में इसे शामिल किया गया है। इस रिसर्च पेपर का हवाला देते हुए गंगाराम अस्पताल के डॉक्टर प्रत्युष कुमार ने कहा कि पपीते के पत्ते के कई फायदे बताए गए हैं, जैसे- यह डेंगी फीवर के इयूरेशन को कम करता है, अस्पताल में मरीज के ठहराव को कम करता है, बॉडी से फ्ल्यूड लीक नहीं होने देता और वाइट ब्लड सेल्स और प्लेटलेट्स की संख्या को बढ़ाता है। डॉक्टर ने बताया कि इस स्टडी में यह भी कहा गया है कि बुखार कन्फर्म होने के पहले दिन से ही पपीते के पत्ते का रस दिया जा सकता है। हालांकि, यह रस कभी भी इस्तेमाल किया जा सकता है, क्योंकि अभी तक इसका कोई साइड इफेक्ट नहीं देखा गया है। रिसर्च पेपर में कहा गया है कि अगर किसी को डेंगी पकड़ में आया है तो उसे तुरंत एंटीबैयोटिक डॉक्टर से इलाज शुरू कराना चाहिए और पपीते के पत्ते का इस्तेमाल अलग से डेंगी मैनेजमेंट के लिए किया जा सकता है। पत्ते का जूस कभी भी किसी भी स्टेज में दिया जा सकता है। लेकिन, बुखार आने के पहले दिन से देने पर इसका फायदा बहुत ज्यादा होता है। इसमें कहा गया है कि यह जूस एक अडल्ट को 30 एमएल दिन में तीन बार दिया जाना चाहिए और बच्चों को 5 से 10 एमएल दिन में तीन बार दें। हालांकि इसमें यह भी कहा गया है कि जूस पीने के बाद एक घूंट पानी पी सकते हैं, ताकि इसका कड़वा टेस्ट खत्म हो जाए।

## ऐसे तैयार करें पपीते का जूस

इस गाइडलाइन में जूस बनाने का तरीका भी बताया गया है। इसके मुताबिक सबसे पहले हेल्दी और फेश पपीते के पत्ते को लें। इसे अच्छी तरह से धो लें और चॉप कर दें, इसके बाद 50 ग्राम पत्ते लें, इसमें 50 एमएल पानी (पानी गर्म करके ठंडा कर लें) और 25 ग्राम चीनी मिलाएं। इसे 15 मिनट तक मिक्स करें। मिक्स होने के बाद इसे 30 मिनट तक छोड़ दें, इसके बाद इससे जूस निकाल लें। जूस निकालने के लिए हाथों का ही यूज करें। इसके बाद यह जूस डेंगू मरीज को पिलाएं। एक बार तैयार किए गए जूस को 24 घंटे तक फ्रिज में रख सकते हैं।

## दिव्य औषधीय गुणों से भरपूर है करेला

### हेल्थ संवाददाता

लेटिन में मॉर्डिका तथा अंग्रेजी में बिटर रॉट के नाम से पुकारा जाने वाला करेला बेल पर लगने वाली सब्जी है। इसका रंग हरा होता है इसकी सतह पर उमरे हुए दाने होते हैं। इसके अंदर बीज होते हैं। यह अपने स्वाद के कारण काफी प्रसिद्ध है। इसका स्वाद बहुत कड़वा होता है इसलिए प्रायः कड़वे (बुरे) स्वभाव वाले व्यक्ति की तुलना करेले से कर दी जाती है। एक अच्छी सब्जी होने के साथ-साथ करेले में दिव्य औषधीय गुण भी होते हैं। यह दो प्रकार का होता है बड़ा तथा छोटा करेला। बड़ा करेला गर्मियों के मौसम में पैदा होता है जबकि छोटा करेला बरसात के मौसम में। चूँकि इसका स्वाद बहुत कड़वा होता है इसलिए अधिकांश लोग इसकी सब्जी को पसंद नहीं करते। इसके कड़वेपन को दूर करने के लिए इसे नमक लगाकर कुछ समय तक रखा जाता है।



**गर्मियों के लिए अच्छा है करेला**  
नमी अधिक तथा वसा कम मात्रा में होने के कारण यह गर्मियों के लिए बहुत अच्छा है। इसके प्रयोग से त्वचा साफ होती है और किसी प्रकार के फोड़े-फुन्सी नहीं होते। यह भूख बढ़ाता है, मल को शरीर से बाहर निकालता है। मूत्र मार्ग को भी यह साफ रखता है। इसमें विटामिन ए अधिक होने के कारण यह आंखों की रोशनी के लिए बहुत अच्छा होता है। रतौंधी होने पर इसके पत्तों के रस का लेप थोड़ी-सी काली मिर्च मिलाकर लगाना चाहिए। इस रोग के कारण रोगी को रात में कुछ भी दिखाई नहीं पड़ता। विटामिन सी की अधिकता के कारण यह शरीर में नमी बनाए रखता है और बुखार होने की स्थिति में बहुत लाभकारी होता है। करेले की सब्जी खाने से कभी कब्ज नहीं होती यदि किसी व्यक्ति को पहले से कब्ज हो तो वह भी दूर ही जाती है। इससे एसीडिटी, छाती में जलन और खट्टी इकारों की शिकायत भी दूर हो जाती है।

## करेला में पोषक तत्व

करेले की तासीर ठंडी होती है। यह पचने में हल्का होता है। यह शरीर में वायु को बढ़ाकर पाचन क्रिया को प्रदीप्त कर, पेट साफ करता है। प्रति 100 ग्राम करेले में लगभग 92 ग्राम नमी होती है। साथ ही इसमें लगभग 4 ग्राम कार्बोहाइड्रेट, 1.5 ग्राम प्रोटीन, 20 मिलीग्राम कैल्शियम, 70 मिलीग्राम फास्फोरस, 1.8 मिलीग्राम आयरन तथा बहुत थोड़ी मात्रा में वसा भी होता है। इसमें विटामिन ए तथा विटामिन सी भी होता है जिनकी मात्रा प्रति 100 ग्राम में क्रमशः 126 मिलीग्राम तथा 88 मिलीग्राम होती है।

## बुखार में कारगर है करेला

बड़े हुए यकृत, प्लीहा तथा मलेरिया बुखार में यह बहुत फायदेमंद सिद्ध होता है। इसके लिए रोगी को करेले के पत्तों या कच्चे करेले को पीसकर पानी में मिलाकर पिलाया जाता है। यह इस दिन में कम से कम तीन बार पिलाना चाहिए। कच्चा करेला पीसकर पिलाने से पीलिया भी ठीक हो जाता है। रस निकालने से पहले पत्तों या करेले को ठीक से राइडकर धोना जरूरी होता है क्योंकि आजकल फल सब्जियों को रोगों तथा कीड़ों से बचाने के लिए अनेक रसायन छिड़के जाते हैं जो हमारे शरीर के लिए हानिकारक होते हैं। जोड़ों के दर्द तथा गठिया रोग में करेले की सब्जी बिना कड़ुवापन दूर किए दिन में तीनों समय अर्थात् सुबह नाशते में और फिर दोपहर तथा रात्रि के भोजन में खाई जानी चाहिए। फोड़े-फुन्सी तथा रक्त विकार में करेले का रस

लाभकारी होता है। इन पर करेले के पत्तों का लेप भी किया जा सकता है। करेले का रस निकालते समय यह ध्यान रखें कि यह बहुत ज्यादा पतला न हो और उसे साफ बर्तन में निकाला जाए।

## कुष्ठरोग में करेला है रामबाण

त्वचीय रोग, कुष्ठ रोग तथा बवासीर में करेले को मिक्सी में पीसकर प्रभावित स्थान पर हल्के-हल्के हाथों से लेप लगाना चाहिए। यह लेप नियमित रूप से रात को सोने से पहले लगाएं। जब तक इच्छित लाभ न हो लेप लगाना जारी रखना चाहिए। करेले के रस की एक चम्मच मात्रा में शकर मिलाकर पीने से खूनी बवासीर में लाभ होता है। यह शरीर में उत्पन्न टॉक्सिन्स तथा उपस्थित अनावश्यक वसा को दूर करता है अतः यह मोटापा दूर करने में भी विशेष रूप से सहायक होता है। जिस स्त्री को मासिक स्राव बहुत कठिन तथा दर्द भरा हो तो उसे भी करेले के रस का सेवन करना चाहिए। इसका सेवन गर्भवती स्त्रियों में दूध की मात्रा भी बढ़ाता है।

## आयुर्वेद में हैं स्मरण शक्ति बढ़ाने वाली कई जड़ी बूटियाँ

स्मरण शक्ति का हमारे जीवन में क्या महत्व है इससे हम सभी परिचित हैं। दरअसल स्मरण शक्ति ही हमारे जीवन की दिशा निर्धारित करती है। अच्छी स्मरण शक्ति जीवन के हर क्षेत्र में आगे बढ़ने में सहायक सिद्ध होती है। रोजमर्रा के जीवन में भी अनेक कार्य ऐसे होते हैं जो हम अपनी स्मरण शक्ति के आधार पर ही करते हैं। यदि यही स्मरण शक्ति क्षीण हो जाए तो निश्चय ही हम स्वयं को असहाय स्थिति में पाएंगे। तनाव एक ऐसा कारक है जो स्मरण शक्ति को कमजोर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। प्रायः तनावग्रस्त व्यक्ति ही तथ्यों को ठीक से याद नहीं रख पाते इसके अतिरिक्त गहरी दिमागी चोट, कोई घातक रोग या किसी शोक में पड़ने के कारण भी स्मरण शक्ति कमजोर पड़ जाती है। नशीले पदार्थों का ज्यादा मात्रा में लगातार सेवन करने से भी स्मरण शक्ति क्षीण होने लगती है। स्मरण शक्ति का प्रभाव उम्र से भी संबंधित होता है किशोरावस्था तथा नौजवानी में स्मरण शक्ति तेज होती है। बढ़ती उम्र के साथ-साथ स्मरण शक्ति भी घटती जाती है। जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में सफलता के लिए अच्छी स्मरण शक्ति का खासा महत्व है इसलिए अच्छी स्मरण शक्ति की नींव बचपन से ही डाली जानी चाहिए। यदि बचपन से ही इस बात का ख्याल रखा जाए कि बच्चे की स्मरण शक्ति तेज हो तो आगे चलकर वह कुशाग्र बुद्धि वाला बनता है। आयुर्वेद में अनेक ऐसी जड़ी-बूटियाँ हैं जिनका प्रयोग स्मरण शक्ति को तेज करने के लिए प्राचीन काल से ही किया जा रहा है। एक से तीन वर्ष तक के बच्चों को ब्राह्मी तथा शंखपुष्पी का शरबत नियमित रूप से देना चाहिए। इनके प्रयोग से बच्चे हट्ट-पुष्ट तथा कुशाग्र बुद्धि वाले बनते हैं। इसके अतिरिक्त बेल का शरबत भी मस्तिष्क को पुष्ट करता है। ब्राह्मी का शरबत बनाने के लिए 50 ग्राम ब्राह्मी के पत्ते लेकर कैंची से काटकर साफ कर लें बाद में उसे पीस कर उबालें जब तक कि अधिकांश पानी वाष्पित न हो जाए। जब यह पानी केवल 250 ग्राम रह जाए तो उसमें लगभग 500 ग्राम चीनी डालकर दो तार की चाशनी होने तक पका लें। इसी प्रकार शंखपुष्पी का शरबत भी बनाया जा सकता है। शंखपुष्पी के फूल बाजार में आसानी से मिल जाते हैं। देखने में ये शंख जैसे लगते हैं। तीन वर्ष तक के बच्चों को इस शरबत की एक चम्मच मात्रा सुबह और इतनी ही मात्रा शाम को दी जा सकती है। इससे बच्चों के व्यक्तित्व का समग्र विकास होता है। आंवले, गाजर तथा सेब के मुरब्बे को एक साथ मिक्सी में पीसकर चटनी बना लें। बाद में इस चटनी में 5-5 ग्राम ब्राह्मी, शंखपुष्पी तथा जटामांसी का चूर्ण मिला लें। लगभग 10 ग्राम छोटी इलायची भी पीस कर इसमें मिला लें। इस चटनी को किसी साफ-सुधरे मर्तबान में संग्रहित कर लें। तीन से आठ वर्ष तक के बच्चों को यह चटनी दिन में तीन बार सुबह, दोपहर तथा शाम को आधी से एक चम्मच दें। इससे बच्चों की स्मरण शक्ति बढ़ती है। आठ से बीस वर्ष तक के बच्चों को एक अवलेह दिया जा सकता है। जिससे स्मरण शक्ति तेज होती है। इस अवलेह को बनाने के लिए कागजी बादाम की गिरी, अखरोट की गिरी, कच्चे चिलगोजे की 100-100 ग्राम मात्रा तथा 100 ग्राम चारों मगज (खरबूजा, तरबूज, खीरा तथा घीया) को मिलाकर आंवले का पिसा हुआ मुरब्बा मिला लें। बाद में इस मिश्रण में ब्राह्मी शंख पुष्पी तथा जटामांसी का 10-10 ग्राम चूर्ण तथा छोटी इलायची की 20 ग्राम चूर्ण मिला लें। इस अवलेह को साफ मर्तबान में भरकर रखें। इस मिश्रण की एक-एक चम्मच मात्रा सुबह-शाम लें। इसे गुनगुने दूध के साथ ही लिया जा सकता है। इसके सेवन से स्मरण शक्ति तो दुरुस्त रहती है साथ ही यह हृदय, नेत्र तथा दांतों को भी पुष्ट करता है। बच्चों को भोजन के बाद मौसम के अनुसार यदि गाजर, घीया या फूल मखाने की खीर दी जाए तो इससे भी शरीर एवं मस्तिष्क स्वस्थ रहता है। कमलगट्टे के हलुए का सेवन सभी उम्र के लोग कर सकते हैं। मस्तिष्क के लिए यह अमृत के समान होता है। इसे बनाने के लिए कमलगट्टे के बीज निकालकर उसका छिलका उतार लें। इसका हरा भाग हटा दें। इसे पीसकर शुद्ध घी में गुलाबी होने तक भून लें बाद में इसमें चीनी तथा पिप्पी इलायची मिला लें। यह हलुआ शरीर को निरोग बनाए रखने में भी मदद देता है।

**आईपीएल पाइंट टेबल**

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
राजस्थान	9	8	1	16
कोलकाता	9	6	3	12
चेन्नई	9	5	4	10
हयराबाद	9	5	4	10
लखनऊ	9	5	4	10
दिल्ली	11	5	6	10
गुजरात	10	4	6	8
पुणे	9	3	6	6
मुंबई	9	3	6	6
केरला	10	3	7	6

**ऑरेंज कैप**

**परपल कैप**

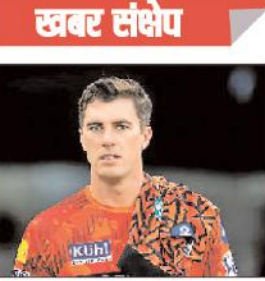
<b>विराट कोहली</b>	<b>जसप्रीत बुग्ढाह</b>
<b>500 रन</b>	<b>14 विकेट</b>
<b>वेंगलोर</b>	<b>मुंबई</b>

**बाउंड्री नीटर**

**चौके**

**852**

**छक्के**



**हमेशा से बल्लेबाजों का खेल रहा है टी-20**

चेन्नई। सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कर्मिस का मानना है कि टी20 प्रारूप हमेशा से बल्लेबाजों के अनुकूल रहा है और इंडियन प्रीमियर लीग के मौजूदा सत्र में तो यह एक कदम और आगे चला गया है। सनराइजर्स को चेन्नई सुपर किंग्स ने रविवार को 78 रन से हराया। आईपीएल के इस सत्र में छह बार 250 से अधिक का स्कोर बन चुका है और 200 रन बनाकर भी जीत की गारंटी नहीं है। इससे पहले आईपीएल के इतिहास में दो ही बार 250 से अधिक का स्कोर बना था।



**लाहौर, कराची, रावलपिंडी में होंगे चैंपियंस ट्रॉफी के मैच**

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने अगले साल चैंपियंस ट्रॉफी के लिए कराची, लाहौर और रावलपिंडी को चुना है। भारत की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए 'हाइब्रिड मॉडल' की अटकलों के बीच पीसीबी ने कहा है कि टूर्नामेंट पाकिस्तान में ही होगा। पिछली बार इंग्लैंड में 2017 में हुई चैंपियंस ट्रॉफी अगले साल फरवरी मार्च में हो सकती है। भारत ने अभी तक अपनी भागीदारी की पुष्टि नहीं की है और ऐसी अटकलें हैं कि आईसीसी हाइब्रिड मॉडल का उपयोग करके भारत के मैच तटस्थ स्थान पर करा सकता है, अगर भारतीय टीम को सरकार से यात्रा की मंजूरी नहीं मिलती है तो। आईसीसी ने साफ तौर पर कहा है कि वह किसी सदस्य देश को उसकी सरकारी नीति का उल्लंघन करने को नहीं कहेगा। पिछले साल एशिया कप का आयोजन भी हाइब्रिड मॉडल पर किया गया था।



**ओलंपिक क्वालीफायर टीम में बदलाव नहीं**

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती महासंघ ने नए ट्रायल के लिए समय की कमी के कारण अगले महीने इस्तांबुल में अंतिम ओलंपिक क्वालीफायर टूर्नामेंट के लिए लगभग उसी टीम का चयन किया है जिसने विश्वकप में एशियाई क्वालीफायर में भाग लिया था। इस्तांबुल में नौ से 13 मई तक होने वाले विश्व ओलंपिक खेल क्वालीफायर में एशियाई क्वालीफायर को टीम में शामिल तीन पहलवानों 2018 एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता विलिन फोगाट (50 किग्रा), अंशु मलिक (57 किग्रा) और अंडर 23 विश्व चैंपियन रिताका (76 किग्रा) को शामिल नहीं किया गया है क्योंकि इन्होंने पिछले महीने विश्वकप में कोटा स्थान पक्का कर लिया था।

# सिंधू-लक्ष्य और प्रणय समेत सात बैडमिंटन खिलाड़ी ओलंपिक के लिए क्वालीफाई

साई मीडिया ने एक्स पर पोस्ट कर दी जानकारी

एजेसी नई दिल्ली



भारत के सात बैडमिंटन खिलाड़ियों ने आगामी पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर लिया है। ये सात खिलाड़ी चार अलग-अलग श्रेणी के हैं। साई मीडिया ने एक्स पर पोस्ट कर इसकी पुष्टि की है। इन सभी खिलाड़ियों ने रैंकिंग के आधार पर पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया।

एचएस प्रणय और लक्ष्य सेन हैं। इन दोनों ने पुरुष एकल वर्ग में बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया। वहीं, दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट भारत की स्तर शटलर पीवी सिंधू ने महिला एकल वर्ग में पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया। वह इस वर्ग में भारत की अकेली प्रतिद्वंद्वी हैं। सिंधू ने 2016 रियो ओलंपिक में रजत पदक और 2021 टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। इससे पहले सात्विकासाइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी पहले ही पुरुष युगल वर्ग में पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुके हैं। दोनों को मौजूदा वर्ल्ड रैंकिंग तीन है। वहीं, महिला युगल में अश्विनी पोनप्पा और तनीशा ब्रास्तो की जोड़ी ने ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया है। इन सातों खिलाड़ियों के हाथों में बैडमिंटन में भारत को पदक दिलाने की जिम्मेदारी होगी।

## थॉमस कप : भारत ने क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह, इंग्लैंड को 5-0 से रौंदा



वैंगलू। गत चैंपियन भारत ने इंग्लैंड को 5-0 से हराकर थॉमस कप बैडमिंटन के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। भारत ने पहले मैच में थॉमस कप को 4-1 से हराया था। एच एस प्रणय ने हैरी हुआंग को 21-15, 21-15 से हराकर भारत को बढ़त दिलाई। सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने बेन लेन और सीन वेडी को युगल मुकाबले में 21-17, 19-21, 21-15 से हराया। दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने नदीम दलवी को 21-16, 21-11 से हराकर भारत को 3-0 से बढ़त दिला दी। दूसरी युगल टीम एम आर अर्जुन और ध्रुव कपिला ने रोरी ईस्टन और एलेक्स गॉन को 21-17, 21-19 से हराया। आखिरी मैच में किरण जॉर्ज ने चोला कथान को 21-18, 21-12 से मात दी। भारत का सामना आखिरी ग्रुप मैच में 14 बार के चैंपियन इंडोनेशिया से होगा।

## आईपीएल: फिल की फिफ्टी, वरुण ने झटके 3 विकेट

# चक्रवर्ती-सॉल्ट ने नाइट राइडर्स को दिल्ली पर 7 विकेट से जीत दिलाई

एजेसी कोलकाता



वरुण चक्रवर्ती की अगुआई में गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन के बाद सलामी बल्लेबाज फिल सॉल्ट के तूफानी अर्धशतक से कोलकाता नाइट राइडर्स ने इंडियन प्रीमियर लीग में सोमवार को यहां दिल्ली कैपिटल्स को सात विकेट हराकर दूसरे स्थान पर अपनी स्थिति मजबूत की। दिल्ली के 154 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए नाइट राइडर्स ने सॉल्ट की 33 गेंद में पांच छक्कों और सात चौकों से 68 रन की पारी की बढौत 16.3 ओवर में तीन विकेट पर 157 रन बनाकर आसान जीत दर्ज की। सॉल्ट ने सुनील नारायण (15) के साथ पहले विकेट के लिए 79 रन की साझेदारी भी की। कप्तान श्रेयस अय्यर (नाबाद 33) और वेंकटेश अय्यर (नाबाद 26) ने चौथे विकेट के लिए 57 रन की अटूट साझेदारी करके टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। इस जीत से नाइट राइडर्स के नौ मैच में छह जीत से 12 अंक हो गए हैं और वह दूसरे स्थान पर है। दिल्ली की टीम 11 मैच में 10 अंक के साथ छठे स्थान पर है। दिल्ली ने इससे पहले चक्रवर्ती (16 रन पर तीन विकेट), हर्षित राणा (28 रन पर दो विकेट)

और वैभव अरोड़ा (29 रन पर दो विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए और टीम नौ विकेट पर 153 रन ही बना सकी। नौवें नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे कुलदीप यादव (26 गेंद में नाबाद 35, पांच चौके, एक छक्का) दिल्ली की ओर से शीर्ष स्कोरर रहे जबकि उनके अलावा कप्तान ऋषभ पंत (20 गेंद में 27 रन, दो चौके एक छक्का) ही 20 रन के आंकड़े की पार कर पाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरे नाइट राइडर्स को सॉल्ट ने तूफानी शुरुआत दिलाई। उन्होंने लिजाड विलियम्स की पहली गेंद पर चौके से खाता खोला और फिर इसी ओवर में लगातार गेंदों पर छक्का और चौका मारा। नारायण ने भी इसी ओवर में चौके से खाता खोला।

दिल्ली-153/9 (20)

खिलाड़ी	रन
पृथ्वी साव का सॉल्ट बो अरोड़ा	13
जेक का अय्यर बो स्टार्क	12
अभिषेक पोरेल बो राणा	18
शाई होप बो अरोड़ा	06
पंत का श्रेयस अय्यर बो चक्रवर्ती	27
अक्षर पटेल बो नारायण	04
स्टेड्स का सॉल्ट को चक्रवर्ती	15
कुशाब का सॉल्ट बो चक्रवर्ती	01
कुलदीप यादव नाबाद	35
सलाम का श्रेयस अय्यर बो राणा	08
लिजाड विलियम्स नाबाद	01
कूल 20 ओवर में नौ विकेट पर 153 रन	
विकेट पतन: 1-17, 2-30, 3-37, 4-68, 5-93, 6-99, 7-101, 8-111, 9-140	
गेंदबाजी स्टार्क 3-0-43-1, अरोड़ा 4-0-29-2, राणा 4-0-28-2, नारायण 4-0-24-1, चक्रवर्ती 4-0-16-3, रसेल 1-0-10-0	

केकेआर-157/3 (16.3)

खिलाड़ी	रन
फिल सॉल्ट बो अक्षर	68
सुनील का फ्रेजर बो अक्षर	15
रिंकू का कुलदीप बो विलियम्स	11
श्रेयस अय्यर नाबाद	33
वेंकटेश अय्यर नाबाद	26
अतिरिक्त: 04	
कूल:16.3 ओवर में तीन विकेट पर: 157 रन	
विकेट पतन: 1-79, 2-96, 3-100	
गेंदबाजी: विलियम्स 3-0-38-1, खलील 3-0-28-0, रसिक 2-3-0-30-0 अक्षर 4-0-25-2, कुलदीप 4-0-34-0	

### भारतीय टीम के चयन से पहले लखनऊ-मुंबई के मुकाबले में नजरें राहुल पर

लखनऊ। टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम के चयन से पहले केरल राहुल के लिए कूकरे विकेटकीपर के रूप में चयन का दावा पुष्पा करने का एक और मौका होगा जब उनकी कप्तानी वाली लखनऊ सुपर जाइंट्स इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में मंगलवार को मुंबई इंडियंस से खेलेगी। टी20 क्रिकेट में राहुल का स्ट्राइक रेट विका का सबब रहा है। पावरप्ले में फॉलिंग पावरप्ले के बावजूद राहुल आईपीएल में धीमी शुरुआत करते आए हैं। उन्होंने हालांकि इस सत्र में इसमें बदलाव किया। अभी तक वह 2024 सत्र में 144.27 की औसत से 378 रन बना चुके हैं। ऐसे ऋषभ पंत का स्ट्राइक रेट 160.60 और संजु सैमसन का 161.08 रहा है। पंत की जगह टी-20 विश्व कप टीम में लखनऊ पकड़ी है बूकि विकेटकीपिंग और बल्लेबाजी दोनों में उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया है। वहीं राजस्थान रॉयल्स के लिए आक्रमक पारियां खेलकर संजु ने भी अपना दावा मजबूती से रखा है। ऐसे में राहुल को अधिक आक्रमक खेलना होगा ताकि उनकी टीम बड़ा स्कोर बना सके और वह भी अपना दावा मजबूत कर सके। लखनऊ को पिछले मैच में राजस्थान रॉयल्स से सात विकेट से हराया था।

## खास खबर

### तीरंदाज दीपिका टॉप्स में फिर हुई शामिल



नई दिल्ली। शंघाई में हाल ही में हुए विश्व कप में रजत पदक जीतने वाली दुनिया की पूर्व नंबर एक तीरंदाज दीपिका कुमारी को पेरिस ओलंपिक से पहले टारगेट ओलंपिक चैंपियन स्कोर में फिर शामिल किया गया है। दिसंबर 2022 में मां बनने के बाद पिछले साल पूरे सत्र में बाहर रहती दीपिका ने हाल ही में वापसी की है और घरेलू तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अच्छा खेल रही है। तीन बार की ओलंपियन रिकॉर्ड तीरंदाज दीपिका ने इस साल एशिया कप में भी पदक जीता। खेल मंत्रालय द्वारा जारी बयान के अनुसार तीरंदाज कुणाल चौहान को भी टॉप्स विकास ग्रुप में शामिल किया गया है जबकि प्रवीण जाधव को विकास से कोर ग्रुप में डाला गया है। पैरा पावरलिफ्टर अशोक को भी कोर ग्रुप में रखा गया है। मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) ने 13वें बैठक में स्वच्छा खिलाड़ी अनाहत सिंह, अमय सिंह और वेलावन सेथिल कुमार को भी टॉप्स विकास ग्रुप में रखा है ताकि वे 2028 लॉस एंजेलिस खेलों की तैयारी कर सकें।

### गेंदबाजों से एक कदम आगे रहते हैं यशस्वी



चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स के बल्लेबाजी कोच माइकल हर्स्टी ने कहा कि गेंदबाजों से एक कदम आगे रहने की क्षमता के कारण ही ऋतुराज गायकवाड़ को आईपीएल के मौजूदा सत्र में इतनी सफलता मिली। पिछले मैच में नाबाद 108 रन बनाने के बाद चेन्नई के कप्तान गायकवाड़ ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 98 रन बनाए। हर्स्टी ने सनराइजर्स पर मिली जीत के बाद कहा, 'गायकवाड़ इतना शानदार खिलाड़ी है। मैं उनसे पूछना रहता हूँ कि उसके शानदार प्लेसमेंट का राज क्या है क्योंकि उसे हमेशा फॉल्टर के बीच में जगह मिल जाती है।'

## टी20 विश्व कप : न्यूजीलैंड टीम का ऐलान, विलियमसन को कमान

एजेसी आकलैंड



केन विलियमसन चौथी बार टी20 विश्व कप में न्यूजीलैंड की कमान संभालेंगे। अंगुठी की चोट से उबर रहे सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉवे को भी जून में अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले टूर्नामेंट के लिए 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। कॉवे अंगुठी की चोट के कारण इंडियन प्रीमियर लीग से बाहर हैं। टीम में गेंदबाज मैट हेनरी और बल्लेबाजी हरफनमौला रचिन रविंद्र ही दो खिलाड़ी हैं जो पहले टी20 विश्व कप नहीं खेलें हैं। विलियमसन छठी बार टी20 विश्व कप खेलेंगे। वहीं टीम साउदी का यह सातवां टी20 विश्व

न्यूजीलैंड टीम: केन विलियमसन (कप्तान), फिन एलेन, ट्रेट बोल्ट, मिशेल बेसेल, मार्क टोपमैन, डेवोन कॉवे, लॉकी फर्ग्युसन, मैट हेनरी, डेरिल मिचेल, जिम्मी नीशाम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, मिचेल सेंटेनर, ईश सोदी, टिम साउदी, बेन सीमर्स (रिजर्व)।

कप होगा। न्यूजीलैंड क्रिकेट के बोर्ड को पांचवीं बार टी20 विश्व कप में जीतने का सपना देखना है।

### बृजेश, सागर और सुमित के पदक पत्तके



अस्ताना। भारत के बृजेश ताम्ता, सागर जाखड़ और सुमित ने एशियाई अंडर 22 और युवा मुक्केबाजी चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में प्रवेश करके पदक पत्तके कर लिए। बृजेश (48 किलो) ने उजबेकिस्तान के साबिरोव से फिफ्टिन को हराया। दोनों मुक्केबाजों ने एक एक दौर जीत लेकिन तीसरे दौर में भारतीय मुक्केबाज ने 4-3 से जीत दर्ज की। सागर (60 किलो) और सुमित (67 किलो) ने कम्बेश थाईलैंड के कलासोरम टी और कोरिया के होम सियो जिं को 5-0 से हराया। जितेश को 54 किलोग्राम में कजाखस्तान के टी नूरसिलिन ने 5-0 से मात दी।

### सेथिल कुमार ने जीता बाश ओपन स्ववाश



पेरिस। भारत के वेलावन सेथिल कुमार ने बाश ओपन चैलेंजर टूर्नामेंट जीत लिया है जो प्रोफेशनल स्ववाश एसोसिएशन टूर पर उनका आठवां खिताब है। दुनिया के 58वें नंबर के खिलाड़ी सेथिल कुमार ने फ्रांस के मेलविल रिकयानिनाको को 11-6, 11-9, 11-6 से हराया। सेथिल ने जीत के बाद कहा, 'मेडलिल ने बेहतरीन खेल दिखाया। मुझे शुरू ही से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना पड़ा और मुझे खुशी है कि मैं ऐसा कर सका।'

# दो साल के कार्यकाल में होने हैं तीन बड़े टूर्नामेंट

## आईसीसी ट्रॉफी जीतना है कस्टर्न का लक्ष्य

एजेसी कराची

कम एक टूर्नामेंट जीते। वर्तमान में आईपीएल टीम गुजरात टाइटंस के मार्गदर्शक कस्टर्न को रविवार को वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय के लिए पाकिस्तान का मुख्य कोच नियुक्त किया गया। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज कस्टर्न के पाकिस्तान के इंग्लैंड दौर से पहले 22 मई से अपनी नई जिम्मेदारी संभालने की उम्मीद है। कस्टर्न से उनके कार्यकाल के दौरान उनके लक्ष्यों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के पांडकास्ट में कहा, 'अगर आप उन तीन आईसीसी प्रतियोगिताओं में से एक जीत सकते हैं तो यह एक शानदार उपलब्धि होगी, चाहे वह आगामी प्रतियोगिता हो या अब से दो साल बाद।'



**ऐसा बनने की कोशिश मत करो जो तुम नहीं हो**

लाहौर। पाकिस्तान के नए मुख्य कोच जेसन गिलेस्पी जेसन गिलेस्पी चाहते हैं कि उनके 'प्रतिभाशाली' खिलाड़ी 'वास्तविक' बने रहें और किसी विशिष्ट पद्धति के अनुकूल न हों। अपने खेल में बदलाव नहीं करें। उनका कहना है कि टेस्ट क्रिकेट में आने बढने के लिए उन्हें केवल सकारात्मक और आक्रमक रहने की जरूरत है। पाकिस्तान ने रविवार को ऑस्ट्रेलिया के पूर्व वनडे गेंदबाज गिलेस्पी को पुरुष टेस्ट टीम का कोच नियुक्त किया जबकि सफेद गेंद के प्रारूप में कोच की भूमिका दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज गैरी कस्टर्न को सौंपी गई है।

**आर्सनल और सिटी जीते खिताब की दौड़ हुई रोचक**

एजेसी लंदन

आर्सनल ने टोटेनहम हॉटस्पूर को 3-2 से हरा दिया जबकि गत चैंपियन मैनचेस्टर सिटी ने नॉटिंगम फोरेस्ट को 2-0 से शिकस्त देकर प्रीमियर लीग फुटबॉल खिताब की दौड़ को रोचक बना दिया है। आर्सनल ने एक बार 3-0 से बढ़त बना ली थी लेकिन आखिरी 20 मिनट में दो गोल गंवा दिए।

पिचर एमिली एच के आत्मघाती गोल और साका तथा केइ हेवर्टज के गोल के दम पर आर्सनल को बढ़त मिली लेकिन दूसरे हाफ में क्रिस्टियन रोमेरो और सोन ह्युंग मिन ने टोटेनहम के लिए गोल कर दिए। आर्सनल ने आखिरी क्षणों में संयम बनाए रखकर बराबरी का गोल नहीं होने दिया। आर्सनल के अब दूसरे स्थान पर काबिज सिटी से एक अंक अधिक है लेकिन उनसे एक मैच भी अधिक खेला है। एक अन्य मैच में बोर्नमाउथ ने ब्राइटन को 3-0 से हरा दिया।





400 टर्मिनल गेट और 5 रनवे की होंगी सुविधाएं

नाम है 'अल मकतूम अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा'

एयरपोर्ट की 260 करोड़ यात्रियों तक की क्षमता

यह दुबई हवाई अड्डे के आकार से 5 गुना बड़ा

एयरपोर्ट बनाने का काम 2013 में हुआ था शुरू

# दुबई में बनेगा दुनिया का सबसे बड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट

एजेंसी काहिरा

बड़ी-बड़ी शानदार इमारतें बनाने वाला संयुक्त अरब अमीरात अब दुनिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट बनाने जा रहा है। इसका नाम अल मकतूम अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा होगा। रिवार को दुबई के शासक शेख मोहम्मद बिन राशिद अल-मकतूम ने 128 बिलियन अमेरिकी डॉलर की लागत से एक नए यात्री टर्मिनल बनाने को मंजूरी दे दी है। इसमें पांच समानांतर रनवे और 400 विमान द्वार होंगे। दुबई का नया एयरपोर्ट विकास के नए द्वार खोलेंगे और व्यापार और टूरिज्म के क्षेत्र में ये नया ग्लोबल सेंटर बनकर उभरेगा। बता दें कि इस एयरपोर्ट को बनाने का काम 2013 से ही शुरू कर दिया गया था।



## दुबई की स्थिति और होगी मजबूत

दुबई की सरकारी स्वामित्व वाली एयरलाइन एमिरेट्स के अध्यक्ष शेख अहमद बिन सईद अल-मकतूम ने कहा कि यह हवाई अड्डा प्रमुख वाहक एमिरेट्स और उसकी कम

लागत वाली एयरलाइन फ्लाईदुबई के साथ-साथ दुनिया को दुबई से जोड़ने वाले सभी एयरलाइन भागीदारों का नया घर समित होगा। दुबई मीडिया कार्यालय ने दुबई

एयरपोर्ट्स के सीईओ पॉल गिफिथ्स के हवाले से कहा कि यह कदम विश्व मंच पर अग्रणी विमानन केंद्र के रूप में दुबई की स्थिति को और मजबूत करेगा।

## डिजाइन में बदलाव से बड़ी यात्रियों की संख्या

बता दें कि इस एयरपोर्ट को बनाने का काम संयुक्त अरब अमीरात ने 2013 में शुरू किया था। रिपोर्ट के मुताबिक इस एयरपोर्ट की क्षमता बढ़ाने के लिए नई तकनीक की मदद से इसे दोबारा डिजाइन किया जा रहा है। पुराने डिजाइन के मुताबिक इस एयरपोर्ट की क्षमता करीब 10 करोड़ यात्रियों की बताई गई थी, जबकि अब इसे 260 करोड़ तक बढ़ाया गया है।

## इसी वर्ष 8.82 करोड़ यात्री आने की उम्मीद

दुबई एयरपोर्ट के सीईओ पॉल गिफिथ्स के मुताबिक, वह वाहकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इस एयरपोर्ट में निवेश बढ़ाने के बारे में सोच रहे हैं। एक पूर्वानुमान के मुताबिक, 2024 में इस हवाई अड्डे से 8.82 करोड़ और 2025 में 9.38 करोड़ यात्रियों के यात्रा करने की उम्मीद है।

## खबर संक्षेप

केन्या में टूट गया बांध मची तबाही, 40 की मौत



नैरोबी। अफ्रीकी देश केन्या के पश्चिमी इलाके में एक बांध के टूटने से कम से कम 40 लोगों की मौत हो गई है। बांध के टूटने के बाद बाढ़ का पानी घरों में आ घुसा और एक प्रमुख सड़क से संपर्क कट गया। हालात बेकाबू हैं और लोगों तक मदद पहुंचाने की कोशिशें जारी हैं। यह घटना सोमवार की सुबह ग्रेट रिफ्ट घाटी क्षेत्र के माई माहिड इलाके में स्थित पुराने किजावे बांध के ढहने के बाद हुई। यहां हमेशा खतरा बना रहता है।

## बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट!



तेल अवीव। गाजा में इजराइली ऑपरेशन के दौरान बेगुनाह नागरिकों के कत्लेआम के आरोप में इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट में इजराइल के खिलाफ चल रहे मुकदमे में पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के ऊपर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है, जिससे वहां हड़कंप मच गया है। अधिकारियों ने कहा है कि हम चिंतित हैं कि क्रिमिनल कोर्ट नेतन्याहू के साथ देश के शीर्ष नेतृत्व के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी करने की तैयारी कर रहा है।

## कनाडा में टूटो के सामने फिर लगे खालिस्तान नारे



ओटावा। कनाडा में बैसाखी के मौके पर आयोजित खालसा दिवस कार्यक्रम में खालिस्तान समर्थक नारे लगाने का वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में वहां के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो और विपक्षी नेता न केवल शामिल होते हैं बल्कि खालसा के समर्थन में भाषण भी देते हैं। भाजपा नेता आरपी सिंह ने ट्वीट में कहा कि भारतीय राजनीतिक हस्तियों पर निजर की मौत में शामिल होने के आरोप वाले पोस्टर भी लगाए गए।

## तिब्बत सरकार को चीन ने दिया बड़ा झटका



नई दिल्ली। तिब्बत की निर्वासित सरकार और चीन के बीच पर्व के पीछे बातचीत शुरू होने की खबरों आने के एक दिन बाद ही चीन ने केंद्रीय तिब्बती प्रशासन को झटका दे दिया है। चीन ने कहा है कि वह केवल दलाई लामा के प्रतिनिधियों से ही बातचीत करेगा, भारत में निर्वासित तिब्बती सरकार के अधिकारियों से नहीं। बीजिंग ने तिब्बत के सर्वोच्च बौद्ध नेता दलाई लामा से जारी मांग पर बातचीत से इनकार कर दिया।

## ई-मेल मिलने से मचा हड़कंप जयपुर, गोवा समेत कई हवाई अड्डों को बम से उड़ाने की धमकी



एजेंसी नई दिल्ली

देशभर में लोकसभा चुनाव का महापर्व चल रहा है, ऐसे में सोमवार को देश के दो बड़े हवाई अड्डों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। एक ई-मेल के जरिए ये दावा किया गया कि जयपुर और गोवा हवाई अड्डे पर बम रखे गए हैं। ये खबर मिलते ही प्रशासन में हड़कंप मच गया। सभी हवाई अड्डों की गहन जांच की जा रही है। जयपुर एयरपोर्ट पर अभी तक कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला।

## सुबह मिला ई-मेल

दक्षिण गोवा के जाम्बोलिम हवाई अड्डे पर बम पर बम होने की सूचना मिली। हवाई अड्डे के निदेशक एच वी टी धन्वजय राव ने कहा कि उनके कार्यालय को सुबह हवाई अड्डे पर बम होने के बारे में एक ईमेल मिला। हम अब अतिरिक्त सावधानी बरत रहे हैं। हवाईअड्डे पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। बम निरोधक दस्ता भी एयरपोर्ट पर मौजूद है। हम निष्पक्ष प्रोटोकॉल के अनुसार काम कर रहे हैं। हम ईमेल के स्रोत का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं, जो देश के अन्य हवाई अड्डों को भी मिला है।

## एयरपोर्ट पुलिस स्टेशन को अज्ञात व्यक्ति ने भेजा ई-मेल

जयपुर एयरपोर्ट पर बम की धमकी मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने सोमवार को संयुक्त रूप से गहन जांच की। एयरपोर्ट पुलिस स्टेशन के एसएचओ मोती लाल ने कहा कि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा एयरपोर्ट अधिकारियों को बम विस्फोट की धमकी वाला एक ईमेल भेजा गया था। हवाईअड्डे की पूरी जांच की गई लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। उन्होंने कहा कि इसी तरह की धमकी 26 अप्रैल को भी दी गई थी।

## फुल स्पीड में 180 डिग्री घूमने की ताकत...

## यूक्रेन ने बना ली दुनिया की पहली स्टेल्थ सबमरीन, रूस के लिए टेंशन

एजेंसी काीव

रूस और यूक्रेन जंग में समीकरण बदलने वाला है। यूक्रेन ने दुनिया का पहला स्टेल्थ सबमरीन बना लिया है। इसका नाम है क्रोनोस। इसे बनाने वाली कंपनी हाईलैंड सिस्टम्स का मुख्यालय संयुक्त अरब अमीरात में है। क्रोनोस सबमरीन किसी एलियन शिप की तरह दिखती है। हाईलैंड सिस्टम्स के फाउंडर और इस सबमरीन के चीफ डिजाइनर एलेक्जेंडर कुन्नेत्सोव ने कहा कि यह दो काम के लिए बनाई गई थी। पहला पानी के अंदर रिपेयरिंग और दूसरा सुपर रिच लज्जरी ट्रेवल।

## पनडुब्बी का इना स्टील का बना



रूस के घुसपैठ के बाद कर्णवी ने इसे स्टेल्थ सबमरीन में बदल दिया ताकि यूक्रेन को सेना इसका इस्तेमाल रूस के खिलाफ कर सके। इस पनडुब्बी का हल स्टील का है। जिसके चारों ओर कंपोजिट मटेरियल लगा।

## 54 घंटे तक पानी के अंदर चलने में सक्षम

इसमें लगा जेनरेटर 36 घंटे ऊर्जा देता है। डीजल जेनरेटर और बैटरी की ऊर्जा से यह 54 घंटे तक पानी के अंदर रह सकती है। इसकी अधिकतम रेंज 1000 किमी है। यह अपनी फुल स्पीड में 180 डिग्री घूमने की ताकत रखती है। ये क्षमता किसी और पनडुब्बी में नहीं है। क्रोनोस का आकार मोटार मछली की तरह है। इसमें लगा इलेक्ट्रिक इंजन और सोनार-सोखोवा वाली कोटिंग इसे डिफर करार करने या जासूसी करने की ताकत देते हैं।

## साइंटिस्टों ने लॉचिंग में की थी 4 सेकंड की देरी, दिखाई सतर्कता दुर्घटना से देर मली... लॉन्च के बाद ही खत्म हो जाता चंद्रयान-3, बचा लिया

एजेंसी नई दिल्ली

चंद्रयान-3 चंद्रमा पर पहुंचने से पहले ही खत्म हो गया होता अगर इसरो के साइंटिस्ट उसकी दिशा और गति नहीं बदलते। भारत का सबसे सफल मून मिशन 14 जुलाई 2023 को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन स्पेस सेंटर से लॉन्च किया गया था। यह मिशन चंद्रमा पर पहुंचने से पहले ही खत्म हो जाता, अगर इसरो इसकी लॉन्चिंग को चार सेकंड लेट नहीं करता तो। किसी भी सैटेलाइट या स्पेसक्राफ्ट को लॉन्च करने से पहले इसरो वैज्ञानिक कोल्लिजन एवॉयडेंस एनालिसिस (कोला) करते हैं, ताकि लॉन्चिंग के बाद अपने तय स्थान तक पहुंचने से पहले स्पेसक्राफ्ट या सैटेलाइट किसी अन्य उपग्रह या अंतरिक्ष के कचरे से न टकराए। इसलिए चंद्रयान-3 की लॉन्चिंग चार सेकंड की देरी की गई थी।



## किए गए सैकड़ों ऑर्बिट नैच्यूर

वात चिप केम की नहीं है। कई बार बिना केम प्रक्रिया के ही ऑर्बिट नैच्यूर करने पड़ते हैं। फिलिपीन साइंस एंड टेक्नोलॉजी के धरती की निचली कक्षा में अपने सैटेलाइट्स के ऑर्बिट्स को 450 बार बदला। जबकि जीईओ में अपने सैटेलाइट्स की ऑर्बिट को 456 बार बदला। अकेले चंद्रयान-2 को ऑर्बिट के ऑर्बिट को 17 बार बदला गया। ताकि इनकी टक्कर किसी भी चीज से न हो।

## देश में दाल-रोटी चलाने के लिए पाक पीएम ने फैलाया हाथ



इस्लामाबाद। पड़ोसी देश पाकिस्तान अपने हालात से उबर नहीं पा रहा। महंगाई और गरीबी से जूझ रहे देश के प्रधानमंत्री एक बार फिर पैसा मांगने पहुंचे हैं। इससे पहले भी पाकिस्तान 23 बार कर्जा मांग चुका है। पीएम शहबाज शरीफ ने आईएमएफ की प्रमुख क्रिस्टालिना जॉर्जीवा से मुलाकात की और नए ऋण कार्यक्रम पर चर्चा की। यूएई के रियाद में विश्व आर्थिक मंच की एक बैठक से इतर शरीफ ने 3 अरब अमेरिकी डॉलर (24 हजार करोड़ रुपये) की अतिरिक्त व्यवस्था हासिल करने में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की प्रबंध निदेशक जॉर्जीवा का शुक्रिया अदा किया।

## मंगल पर मकड़ियां... तस्वीर से दुनिया हैरान



लंदन। मंगल ग्रह के दक्षिणी ध्रुव पर हजारों मकड़ियां देखी गई हैं। इन मकड़ियों की तस्वीर यूरोपियन स्पेस एजेंसी के एक्सोमार्स ट्रेंस गैस ऑर्बिटर में लगे कवर एंड स्टोरिजो सर्वेस इमेजिंग सिस्टम ने ली है। इस तस्वीर ने दुनिया भर के वैज्ञानिकों को हैरान कर दिया है। दरअसल, वंश के भीसम में जब सूरज की किरणें मंगल ग्रह के दक्षिणी ध्रुव पर पड़ती हैं, तब वहां सड़ियों में जमा हुई कार्बन डाईऑक्साइड (सीओ2) इस तरह की मकड़ियां जैसा आकार ले लेती है। सूरज की रोशनी कार्बन डाईऑक्साइड की निचली परत को पिघलाती है, तो ऊपर की परतें इस तरह से आकृतियां बनाती हैं, जैसे मकड़ी की।

## परीक्षण- बर्बाद कर देगा दुश्मन का एयर डिफेंस सिस्टम

## फ्रांस का डबल पंच, टारगेट पर दो मिसाइलों से एक साथ किया हमला



दोनों की मिसाइलों ने एकसाथ टारगेट को हिट किया। फ्रांस ने इस नए मिसाइल परीक्षण से दुनियाभर में हलचल मच गई। इस तरह के हमले से दुनिया के सबसे ताकतवर एयर डिफेंस सिस्टम को नष्ट किया जा सकता है। इसमें जिस मिसाइल का इस्तेमाल किया गया, उसका नाम है एमडीसीएन। यह मिसाइल फ्रांस में ही बनी है। फ्रांस ने इसके तीन वैरिएंट बना रखे हैं। पहला कूज मिसाइल। दूसरे लैंड अटैक मिसाइल और तीसरा राइबरोन लॉन्च कूज मिसाइल। एक मिसाइल का वजन 1400 किलोग्राम होता है।

## टेलोएस-2 लॉचिंग में एक मिनट की देरी

सिर्फ चंद्रयान-3 ही नहीं, बल्कि पीएसएलवी-सी55/टेलेएस-2 की लॉचिंग में 22 अप्रैल 2023 को एक मिनट की देरी से की गई थी। इसके अलावा 30 जुलाई 2023 को पीएसएलवी-सी56/डीएस-एसएआर की लॉचिंग में भी एक मिनट की देरी की गई थी। ताकि इन दोनों रॉकेट्स और सैटेलाइट के सामने आने वाले अंतरिक्ष के कचरे और अन्य उपग्रहों की टक्कर से बचा जा सके।

## लॉचिंग के समय दिखा था कचरा

लॉचिंग से पहले इसरो वैज्ञानिकों को चंद्रयान-3 के मार्ग में अंतरिक्ष का कचरा दिखाई दिया। अगर चंद्रयान-3 तय समय पर लॉन्च होता तो इससे स्पेसक्राफ्ट के कचरे से टकराने का खतरा था। यह अंतरिक्ष का कचरा किसी अन्य सैटेलाइट मिशन का टुकड़ा था।

## 23 बार बदली दिशा और गति

कोला के अलावा अंतरिक्ष में जब सैटेलाइट साफर करता है, तब भी कचरे से टकराने की आशंका बनी रहती है। ऐसे में इसरो वैज्ञानिक कोल्लिजन एवॉयडेंस नैच्यूर (केम) की प्रक्रिया अपनाते हैं। साल 2023 में इसरो ने अलग-अलग सैटेलाइट्स और स्पेसक्राफ्ट्स के लिए यह काम 23 बार किया। इसमें से 18 केम लोअर अर्थ ऑर्बिट यानी धरती की निचली कक्षा में किए गए। पांच केम जियोसिंक्रोनस अर्थ ऑर्बिट में किया गया।